भाद्रपद कृष्ण - 15 ■ संवत 2082 ■ वर्ष - 13 ■ अंक - 31 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- चेन्नई » शनिवार » 23-08-2025 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में एशिया कप जीत सकता है भारत : वीरेंद्र सहवाग

6 मानसून सत्र : करोड़ों की बरबादी के साथ लोकतंत्र का तमाशा बना

7 मेरी हर फिल्म ने मुझे एक अलग अनुभव दिया : तनीषा मुखर्जी

फर्स्ट टेक

ऑनलाइन गेमिंग विधेयक को राष्ट्रपति की मंजूरी

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने ऑनलाइन गेमिंग प्रचार और विनियमन अधिनियम, 2025 को स्वीकृति प्रदान कर दी है। इस कानून का मकसद ई-स्पोर्ट्स को बढ़ावा देना, गेम्स के जरिए पैसे लूटने पर रोक लगाना और ई-स्पोर्ट्स को खेल के रूप में मान्यता देना है। इसके साथ ही इस कानून से नशे की लत से मुक्ति दिलाई जा सकेगी और आर्थिक नुकसान जैसे खतरों को भी रोका जा सकेगा। संसद के मानसून सत्र में दोनों सदनों ने इस विधेयक को पारित कर राष्ट्रपति की स्वीकृति के लिए भेजा था। इस कानून को शैक्षिक खेलों और सामाजिक गेमिंग सहित ऑनलाइन गेमिंग क्षेत्र को बढ़ावा देने और विनियमित करने के लिए लाया गया था। इस कानून में इस क्षेत्र के समन्वित नीति, रणनीतिक विकास और नियामक निगरानी के लिए एक प्राधिकरण की नियुक्ति का प्रावधान है।

प्रधानमंत्री मोदी पर 'आपत्तिजनक' पोस्ट के लिए तेजस्वी यादव के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज

गढ़चिरौली/भाषा। महाराष्ट्र के गढ़चिरौली जिले में पुलिस ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बारे में आपत्तिजनक पोस्ट करने के आरोप में बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री एवं राजद नेता तेजस्वी यादव के खिलाफ शुक्रवार को प्राथमिकी दर्ज की। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि गढ़चिरौली से भाजपा विधायक मिलिंद नरोटे ने राजद नेता तेजस्वी यादव के खिलाफ शिकायत दी थी। अधिकारी ने कहा कि यादव के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 196 (विभिन्न समूहों के बीच दुश्मनी को बढ़ावा देना), धारा 356 (मानहानि), धारा 352 (शांति भंग करने के इरादे से जानबूझकर अपमान करना) और धारा 353 (सार्वजनिक व्यवस्था को प्रभावित करने का कारण बनने वाले बयान) के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है।

भारत, बांग्लादेश 25 से ढाका में सीमा वार्ता करेंगे

नई दिल्ली/भाषा। भारत और बांग्लादेश 25 अगस्त से ढाका में सीमा वार्ता शुरू करेंगे। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि दोनों पक्ष सीमा पार अपराधों पर अंकुश लगाने के उपायों पर चर्चा करेंगे। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) पड़ोसी देश के असामाजिक तत्वों द्वारा उसके कर्मियों और भारतीय नागरिकों पर हमलों से संबंधित मुद्दों को उठाएगा। पिछले साल शेख हसीना सरकार के पतन के बाद यह पहली बार होगा, जब भारतीय प्रतिनिधिमंडल ढाका की यात्रा करेगा। दोनों देश 4,096 किलोमीटर लंबी अंतरराष्ट्रीय सीमा साझा करते हैं।

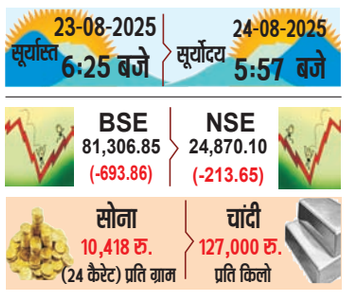

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

बंदर बाँट

आजादी से पहले सारा,
यह देश बँटा जागीरों में।
जर जोरू और जमीन बँटी,
कातिल खूनी शमशीरों में।
अब बाँट रहे हैं सीटों में,
नेता जन को दलवीरों में।
सत्ताएं बदली ना बदला,
दुर्भाग्य लिखा तकदीरों में।।

एसआईआर, 130वें संविधान संशोधन के विरोध के लिए

मोदी ने विपक्ष को आड़े हाथ लिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

- मोदी ने दावा किया कि उनकी 11 साल की सरकार पर भ्रष्टाचार का एक भी दाग नहीं है।
- प्रधानमंत्री ने पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकारों में सामने आए अनेक घोटालों का भी जिक्र किया।

गयाजी (बिहार)/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' (इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस) पर आरोप लगाया कि वह सत्ता के उच्च स्तरों पर भ्रष्टाचार को समाप्त करने के उद्देश्य से उठाए गए कदमों का और देश की जनसांख्यिकी के समक्ष घुसपैठियों से उत्पन्न खतरे से निपटने के लिए किए गए उपायों का विरोध कर रहा है।

प्रधानमंत्री ने गयाजी में एक रैली में इस सप्ताह लोकसभा में अपनी सरकार द्वारा पेश किए गए संविधान (130वां संशोधन) विधेयक, 2025 और बिहार में निर्वाचन आयोग द्वारा वर्तमान में किए जा रहे मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का अप्रत्यक्ष रूप से उल्लेख किया।

राष्ट्रीय जनता दल (राजद) और कांग्रेस पर निशाना साधते हुए प्रधानमंत्री ने आरोप लगाया कि दोनों विपक्षी दल संविधान (130वां संशोधन) विधेयक के खिलाफ हैं क्योंकि उनके अधिकतर नेता या तो जेल में हैं या जमानत पर हैं।

उन्होंने परोक्ष रूप से दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल का जिक्र करते हुए कहा, हमने एक खेदजनक स्थिति देखी है जिसमें सत्ता में बैठे लोग जेल से सरकार चला रहे हैं, सलाखों के पीछे से फाइलों पर हस्ताक्षर कर रहे हैं, संवैधानिक मर्यादा की धज्जियां उड़ा रहे हैं।

मोदी ने दावा किया कि उनकी 11 साल की सरकार पर भ्रष्टाचार का एक भी दाग नहीं है।

'ऑपरेशन सिंदूर' की सराहना, सफलता का श्रेय 'मेड इन इंडिया' हथियारों को

कोलकाता/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि सीमा पार आतंकवादी ठिकानों को ध्वस्त करने वाले 'ऑपरेशन सिंदूर' की सफलता इस बात का प्रमाण है कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत सरकार अपने हर संकल्प को पूरा करती है। उन्होंने देश की रक्षा को मजबूत करने में 'मेड इन इंडिया' हथियारों की महत्वपूर्ण भूमिका को भी रेखांकित किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि भाजपा नीत सरकार हर संकल्प पूरा करती है। उन्होंने कहा, हमने हाल में ऑपरेशन सिंदूर के दौरान इसका प्रमाण देखा है। हमारी सेना ने सीमा पार आतंकवादियों और उनके आकाओं के ठिकानों को खंडहर में बदल दिया। हमारी सेना ने आतंकवादियों को ऐसा सबक सिखाया कि पाकिस्तान की नींद आज भी उड़ी हुई है।

व्यापार समझौते में किसानों के हितों से समझौता नहीं करेगा भारत : शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोच्चि/भाषा। अमेरिका के भारतीय वस्तुओं पर नए शुल्क लगाए जाने के बाद केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को कहा कि भारत, अमेरिका के साथ किसी भी व्यापार समझौते में अपने किसानों या व्यापक राष्ट्रीय हितों से समझौता नहीं करेगा।

शाह ने कोच्चि में 'मनोरमा न्यूज कॉन्क्लेव' में कहा, मोदी जी (प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी) ने स्पष्ट कर दिया है कि कोई भी व्यापार समझौता भारत के हितों से ऊपर नहीं होगा।

गृह मंत्री ने प्रश्नोत्तर सत्र के दौरान एक सवाल पर कहा, हमारे लोगों की कीमत पर कोई समझौता नहीं किया जाएगा। किसानों के हितों को खतरे में नहीं डाला जाएगा। हम जो कुछ भी करेंगे, उसमें राष्ट्र हित सर्वोपरि होगा।

शाह का यह बयान ऐसे समय आया है, जब अमेरिका ने भारत पर रूसी तेल की खरीद जारी रखने पर भारतीय वस्तुओं पर 25 प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क लगाने का ऐलान किया है। इससे वस्त्र, समुद्री उत्पाद और चमड़ा निर्यात जैसे क्षेत्रों पर असर पड़ने की आशंका है।

शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में, भारत की अर्थव्यवस्था महज एक दशक में दुनिया की 11वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था से छलांग लगाकर चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गई है। उन्होंने इसकी तुलना पिछली कांग्रेस सरकार से की, जिस पर उन्होंने अर्थव्यवस्था को पटरी से उतार देने का आरोप लगाया।

शाह ने कहा, जब तक हम शिखर तक नहीं पहुंचते और महान भारत का निर्माण नहीं करते, किसी को आराम करने का अधिकार नहीं है।

इसरो ने भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन के मॉडल का अनावरण किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

- भारत 2035 तक भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन के पांच मॉड्यूल स्थापित करने की योजना बना रहा है।

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने शुक्रवार को यहां शुरू हुए दो दिवसीय राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस समारोह के दौरान भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन (बीएएस) मॉड्यूल के एक मॉडल का अनावरण किया।

भारत की योजना 2028 तक अपने स्वयं के निर्मित अंतरिक्ष स्टेशन, बीएएस के प्रथम मॉड्यूल को प्रक्षेपित करने की है। इससे भारत उन चुनिंदा देशों के समूह में शामिल हो जाएगा जो कक्षीय प्रयोगशालाएं संचालित करते हैं।

वर्तमान में, दो कक्षीय प्रयोगशालाएं हैं – पांच अंतरिक्ष एजेंसियों द्वारा संचालित अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन और चीन का तियांगोंग अंतरिक्ष स्टेशन।

अंतरिक्ष क्षेत्र के लिए अपनी महत्वाकांक्षी योजनाओं के तहत, भारत 2035 तक भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन के पांच मॉड्यूल स्थापित करने की योजना बना रहा है।

बीएएस-01 मॉड्यूल का वजन 10 टन होने की उम्मीद है और इसे पृथ्वी से 450 किलोमीटर ऊपर पृथ्वी की निचली कक्षा में स्थापित किया जाएगा।

इसकी मुख्य विशेषताओं में स्वदेशी रूप से विकसित पर्यावरण नियंत्रण एवं जीवन समर्थन प्रणाली (ईसीएलएसएस), भारत डॉकिंग सिस्टम, भारत बर्थिंग मैकेनिज्म, स्वचालित हैच सिस्टम, सूक्ष्म गुरुत्वाकर्षण अनुसंधान और प्रौद्योगिकी प्रदर्शन के लिए प्लेटफॉर्म, वैज्ञानिक इमेजिंग और चालक दल के मनोरंजन के लिए व्यूपोर्ट शामिल हैं।

भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन में प्रणोदन और ईसीएलएसएस तरल पदार्थ फिर से भरने, विकिरण, तापीय तथा सूक्ष्म उल्कापिंड कक्षीय मलबा (एमएमओडी) संरक्षण, अंतरिक्ष सूट आदि संबंधी चीजें भी होंगी।

श्रीलंका के पूर्व राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे गिरफ्तार

कोलंबो/भाषा। श्रीलंका के पूर्व राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे को सरकारी धन के दुरुपयोग के आरोप में शुक्रवार को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने बताया कि 76 वर्षीय विक्रमसिंघे को आपराधिक जांच विभाग (सीआईडी) मुख्यालय से गिरफ्तार किया गया, जहां उन्हें सरकारी धन के कथित दुरुपयोग की जांच के संबंध में बयान दर्ज कराने के लिए बुलाया गया था। उन पर सितंबर 2023 में अपनी पत्नी मैत्री के एक दीक्षांत समारोह में शामिल होने के लिए इंग्लैंड की यात्रा करने के वास्ते सार्वजनिक धन का उपयोग करने का आरोप लगाया गया है। ऐसा आरोप है कि विक्रमसिंघे एक आधिकारिक कार्यक्रम के बाद अमेरिका से लौट रहे थे और अपनी पत्नी के एक निजी कार्यक्रम में शामिल होने के लिए सरकारी खर्च पर ब्रिटेन गए थे। सीआईडी ने यात्रा पर खर्चे के बारे में पहले उनके कर्मचारियों से भी पूछताछ की थी। विक्रमसिंघे ने 2024 के अंत तक शेष कार्यकाल के लिए गोटबाया राजपक्षे की जगह राष्ट्रपति पद संभाला था।

मुनीर का पाकिस्तान की तुलना डंपर ट्रक से करना नाकामी का कबूलनामा : राजनाथ

नई दिल्ली/भाषा। पाकिस्तान के सेना प्रमुख फील्ड मार्शल आसिम मुनीर द्वारा भारत को परमाणु धमकी दिए जाने और अपने देश को ''डंपर ट्रक'' बताए जाने के कुछ दिन रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि यह टिप्पणी ''हिंसक'' मानसिकता का प्रतिबिंब और इस्लामाबाद की ''विफलता'' की स्वीकारोक्ति है। सिंह ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के बाद पाकिस्तान को अपने मन में कोई भ्रम नहीं रखना चाहिए।

रक्षा मंत्री का इशारा मुनीर की उस हालिया टिप्पणी की ओर था,

जिसमें उन्होंने कहा था कि पड़ोसी देश भविष्य में नई दिल्ली के साथ किसी संघर्ष में अस्तित्व को खतरा पैदा होने की स्थिति में भारत और ''आधी दुनिया'' को नष्ट करने के लिए अपने परमाणु हथियारों का इस्तेमाल कर सकता है।

रक्षा मंत्री ने 'इकोनॉमिक टाइम्स वर्ल्ड लीडर्स फोरम' में यह भी कहा कि मुनीर द्वारा पाकिस्तान की तुलना ''डंपर ट्रक'' से किया जाना और ''भारत को एक चमचमाती मर्सिडीज जैसा बताना'' इस्लामाबाद की ''खुद की विफलता'' को दर्शाता है।

फ्लोरिडा के टैम्पा में पाकिस्तानी प्रवासियों को संबोधित करते हुए मुनीर ने कथित तौर पर कहा था, ''भारत मर्सिडीज की तरह चमक रहा है, फेरारी की तरह हाईवे पर आ रहा है, लेकिन हम बजरी से भरे एक डंपर ट्रक हैं। अगर ट्रक, कार से टकराता है तो नुकसान किसका होगा?''

मुलाकात

अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला ने शुक्रवार को यहां राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की और अंतरिक्ष में अपने अनुभव साझा किए। यह जानकारी राष्ट्रपति के कार्यालय ने दी। शुक्ला अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) की यात्रा करने वाले पहले भारतीय अंतरिक्ष यात्री हैं। वह अन्य साथी अंतरिक्ष यात्रियों के साथ एक्सिओम मिशन 4 के तहत 20 दिनों की अंतरिक्ष यात्रा के बाद पिछले महीने पृथ्वी पर लौटे हैं। राष्ट्रपति कार्यालय ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि ग्रुप कैप्टन शुक्ला, ग्रुप कैप्टन प्रशांत बालकृष्णन नायर और ग्रुप कैप्टन पुण्यश्लोक बिस्वाल, भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के अध्यक्ष एवं अंतरिक्ष विभाग के सचिव वी नारायणन और मानव अंतरिक्ष उड़ान केंद्र के निदेशक दिनेश कुमार सिंह ने मुर्मू से मुलाकात की। उन्होंने अंतरिक्ष में अपने अनुभव राष्ट्रपति के साथ साझा किए। पोस्ट में लिखा है, राष्ट्रपति ने पूरी टीम को भविष्य के प्रयासों, खासकर गगनयान मिशन के लिए अपनी शुभकामनाएं दीं।

आवारा कुत्तों को लेकर उच्चतम न्यायालय ने दिये निर्देश

आवारा कुत्तों को सड़कों पर खाना खिलाने पर लगाई रोक, निश्चित स्थान बनाने को कहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

उच्चतम न्यायालय के फैसले की मुख्य बातें

- शीर्ष अदालत ने आवारा कुत्तों को आश्रय स्थलों से छोड़ने पर रोक संबंधी 11 अगस्त के निर्देश को फिलहाल स्थगित रखने का फैसला किया।
- न्यायालय ने कहा कि पकड़े गए आवारा कुत्तों का बंध्याकरण किया जाएगा, उनका कृमिहरण एवं टीकाकरण किया जाएगा और उन्हें उसी क्षेत्र में वापस छोड़ दिया जाएगा, जहां से उन्हें उठाया गया था।
- शीर्ष अदालत ने स्पष्ट किया कि रेबीज से संक्रमित या रेबीज से संक्रमित होने की आशंका वाले और आक्रामक व्यवहार वाले आवारा कुत्तों पर यह आदेश लागू नहीं होगा।
- न्यायालय ने कहा कि रेबीज से संक्रमित और आक्रामक व्यवहार वाले आवारा कुत्तों का बंध्याकरण एवं टीकाकरण किया जाएगा, लेकिन उन्हें सड़कों पर नहीं छोड़ा जाएगा।
- उच्चतम न्यायालय ने कहा कि आक्रामक कुत्तों को बंध्याकरण और टीकाकरण के बाद अलग बाड़े या आश्रय स्थल में रखा जाएगा।
- न्यायालय ने स्पष्ट किया कि नगर निगम अधिकारी दिल्ली, गाजियाबाद, नोएडा, फरीदाबाद और गुरुग्राम के सभी इलाकों से आवारा कुत्तों को पकड़ने और उनके लिए तुरंत आश्रय स्थल बनाने के 11 अगस्त के निर्देश का अनुपालन जारी रखेंगे।
- शीर्ष अदालत ने नगर निकायों को प्रत्येक नगरपालिका वार्ड में आवारा कुत्तों के लिए समर्पित भोजन क्षेत्र बनाने के निर्देश दिए।
- न्यायालय ने कहा कि संबंधित नगरपालिका वार्ड में आवारा कुत्तों की आबादी और सघनता को ध्यान में रखते हुए भोजन क्षेत्र बनाए या चिह्नित किए जाने चाहिए।
- शीर्ष अदालत ने कहा कि निर्धारित भोजन क्षेत्रों के पास नोटिस बोर्ड लगाए जाने चाहिए, जिन पर इस बात का स्पष्ट जिक्र हो कि आवारा कुत्तों को केवल ऐसे क्षेत्रों में ही खाना खिलाया जाएगा।

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने शुक्रवार को व्यवस्था दी कि सड़कों पर आवारा कुत्तों को खाना खिलाने की अनुमति नहीं होगी। न्यायालय ने साथ ही दिल्ली-एनसीआर के नगर निगम अधिकारियों को इसके लिए निश्चित स्थान बनाने का निर्देश दिया।

न्यायमूर्ति विक्रम नाथ की अध्यक्षता वाली तीन न्यायाधीशों की विशेष पीठ ने कहा कि किसी विशेष नगरपालिका वार्ड में आवारा कुत्तों की आबादी और सघनता को ध्यान में रखते हुए भोजन क्षेत्रों की पहचान की जानी चाहिए। पीठ ने कहा, किसी भी हालत में सड़कों पर आवारा कुत्तों को खाना खिलाने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

पीठ में न्यायमूर्ति संदीप मेहता और न्यायमूर्ति एन वी अंजारिया भी शामिल थे। शीर्ष अदालत ने निर्देश दिया कि निर्धारित भोजन क्षेत्रों के पास नोटिस बोर्ड लगाए जाएं, जिसमें यह स्पष्ट किया जाए कि यह क्षेत्र आवारा कुत्तों को भोजन देने के लिए है।

इजराइल के रक्षा मंत्री ने गाजा को मलबे के ढेर में तब्दील करने की चेतावनी दी

दीर अल-बलाह/एपी। इजराइल के रक्षा मंत्री ने गाजा सिटी में हमले का दायरा बढ़ाने की तैयारी के बीच शुक्रवार को चेतावनी दी कि अगर हमास उसकी शर्तों को स्वीकार नहीं करता है, तो इस शहर को तबाह किया जा सकता है।

यह चेतावनी ऐसे समय आई है, जब एक दिन पहले इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने सेना को गाजा सिटी पर कब्जा करने की अनुमति देने का एलान किया।

रक्षा मंत्री इजराइल काट्ज ने चेतावनी दी कि गाजा पट्टी का सबसे बड़ा शहर ''रफाह और बैत हानून'' इलाकों की तरह मलबे में तब्दील हो सकता है, जिन्हें युद्ध के शुरुआती चरण में तबाह कर दिया गया था।

उन्होंने 'एक्स' पर कहा, गाजा में हमास के हत्यारे और बलात्कारी अगर युद्ध को समाप्त करने के लिए इजराइल की शर्तों को स्वीकार नहीं करते हैं, तो उनके लिए जल्द ही नरक के दरवाजे खुलने वाले हैं।

काट्ज ने इजराइल की युद्ध-विराम शर्तों को दोहराया, जिसमें सभी बंधकों की रिहाई और हमास का पूरी तरह निरस्त्रीकरण शामिल है।

वहीं, हमास का कहना है कि वह युद्ध खत्म करने के बदले बंधकों को रिहा कर सकता है, लेकिन फलस्तीनी राष्ट्र की स्थापना के बिना निरस्त्रीकरण को स्वीकार नहीं करेगा।

गाजा सिटी में व्यापक पैमाने पर सैन्य अभियान कुछ ही दिनों में शुरू हो सकता है।

गाजा सिटी हमास की गतिविधियों का गढ़ है और इजराइल का मानना है कि शहर में हमास का सुरंगों का विशाल नेटवर्क है। गाजा सिटी में लाखों नागरिक भी शरण लिए हुए हैं और वहां अब भी गाजा पट्टी के कुछ महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे एवं स्वास्थ्य सुविधाएं मौजूद हैं।

भारतीय राजदूत ने अमेरिकी सांसदों के साथ द्विपक्षीय व्यापार, ऊर्जा सुरक्षा पर चर्चा की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

न्यूयॉर्क/भाषा। अमेरिका और भारत के बीच टैरिफ (शुल्क) को लेकर तनाव के बीच भारतीय राजदूत विनय मोहन क्वात्रा ने शुक्रवार को अमेरिकी सांसदों के साथ ''पारस्परिक रूप से लाभकारी व्यापार संबंध'' और ''ऊर्जा सुरक्षा'' पर चर्चा की।

भारतीय राजदूत ने सीनेटर बिल हेगर्टी से मुलाकात की और उन्हें ''भारत-अमेरिका साझेदारी के लिए निरंतर और मजबूत समर्थन'' को लेकर धन्यवाद दिया।

क्वात्रा ने सोशल मीडिया पर पोस्ट किया, निष्पक्ष, संतुलित और पारस्परिक रूप से लाभकारी व्यापार संबंधों के लिए जारी द्विपक्षीय चर्चाओं के बारे में उन्हें जानकारी दी। उन्होंने सीनेटर हेगर्टी के साथ ''ऊर्जा सुरक्षा और हाइड्रोकार्बन के क्षेत्र में भारत और अमेरिका के बीच बढ़ते व्यापार पर अपने दृष्टिकोण'' भी साझा किए।

क्वात्रा ने अमेरिकी संसद सदस्य ग्रेग लेंड्समैन के साथ भी ''सार्थक बातचीत'' की और उन्हें द्विपक्षीय व्यापार संबंधों के विकास के बारे में जानकारी दी। उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट किया, मैंने उन्हें द्विपक्षीय व्यापार संबंधों और ऊर्जा सुरक्षा में हाल के घटनाक्रमों तथा हमारे देशों के बीच बढ़ती हाइड्रोकार्बन साझेदारी के बारे में जानकारी दी। इससे पहले, क्वात्रा ने राष्ट्रीय सुरक्षा एजेंसी और साइबर उपसमिति, हाउस इंटेलिजेंस कमेटी' के सदस्य जोश गोटैमर से मुलाकात की और ''तेल और गैस में दोतरफा व्यापार'' तथा ''पारस्परिक रूप से लाभकारी व्यापार संबंधों'' पर चर्चा की। गोटैमर अमेरिकी प्रतिनिधि सभा के सदस्य हैं। क्वात्रा ने बृहस्पतिवार को सोशल मीडिया पर पोस्ट किया, तेल और गैस के दोतरफा व्यापार और संतुलित, निष्पक्ष और पारस्परिक रूप से लाभकारी व्यापारिक संबंधों सहित द्विपक्षीय ऊर्जा सहयोग में नवीनतम प्रगति से जुड़ी जानकारी साझा की। भारतीय राजदूत ने 9 अगस्त से अब तक 16 अमेरिकी सांसदों से मुलाकात की है, जैसा कि उनके सोशल मीडिया पोस्ट से पता चलता है।

ये बैठकें ऐसे समय में हो रही हैं जब अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारत पर कुल 50 प्रतिशत टैरिफ (शुल्क) लगाए जाने के बाद दोनों देशों के बीच संबंधों में तनाव बढ़ गया है। इसमें रूसी तेल की खरीद पर 25 प्रतिशत टैरिफ भी शामिल है जो 27 अगस्त से लागू होने वाला है।

कुत्तों के मामले में उच्चतम न्यायालय के फैसले के बाद खुशी से झूम उठे पशु प्रेमी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली-एनसीआर में आवारा कुत्तों को अन्यत्र ले जाए जाने के मामले पर शुक्रवार को उच्चतम न्यायालय के आदेश में संशोधन के बाद जंतर-मंतर पर पशु प्रेमियों ने जश्न मनाया।

उच्चतम न्यायालय ने कहा है कि जो कुत्ते आक्रामक प्रवृत्ति के नहीं हैं, उन्हें आश्रय स्थलों में नहीं भेजा जाएगा, बल्कि नसबंदी और टीकाकरण के बाद मूल स्थानों पर वापस छोड़ दिया जाएगा।

फैसले की प्रतीक्षा में इकट्ठा हुए पशु कार्यकर्ताओं और देखभाल करने वालों ने फैसला आते ही एक-दूसरे को गले लगा लिया और जश्न मनाते हुए नारे लगाने लगे। कुछ लोगों ने हर हर महादेव कहकर भगवान का शुक्रिया अदा किया।

कई लोगों ने इस फैसले को करुणा की जीत बताया।

जश्न मनाने वालों में शामिल एक व्यक्ति ने कहा, यह एक ऐतिहासिक दिन है। अदालत ने पशुओं की देखभाल के सही तरीके को बरकरार रखा है।

एक अन्य कार्यकर्ता ने कहा कि इस फैसले से उन लोगों को बहुत राहत मिली है जिनका आवारा कुत्तों से गहरा जुड़ाव है। उन्होंने कहा, हम बहुत चिंतित थे, लेकिन आज के फैसले से हमें उम्मीद है कि दया और विज्ञान साथ-साथ चलेंगे।

अंतरिक्ष के क्षेत्र में उभरते देशों को एकजुट करने के लिए भारत को नेतृत्व करना चाहिए : सारस्वत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। नीति आयोग के सदस्य वी के सारस्वत ने शुक्रवार को कहा कि अंतरिक्ष क्षेत्र में रुचि रखने वाले उभरते देशों को एकजुट कर अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष गठबंधन बनाने में भारत को एक प्रमुख भूमिका निभानी चाहिए। उन्होंने कहा कि इससे आर्थिक विकास के लिए अंतरिक्ष परिसंपत्तियों और उपग्रह नेटवर्क की निगरानी जैसे साझा महत्व के क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित किया जा सकेगा।

भारत 2023 में चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर 'चंद्रयान-3' के उतरने के उपलक्ष्य में 23 अगस्त को राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस मनाता है। राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस पर सारस्वत ने कहा कि वर्तमान परस्पर निर्भर विश्व में वैश्विक अंतरिक्ष गठबंधन एक प्रमुख आवश्यकता है, जहां भारत विभिन्न देशों के साथ अंतरिक्ष प्रणालियों, अनुप्रयोगों के विकास और उनके उपयोग पर काम कर रहा है। शीर्ष मिसाइल वैज्ञानिक ने कहा, वैश्विक स्तर पर, नए अंतरिक्ष युग को बड़े रुझानों द्वारा परिभाषित किया जा रहा है। हम छोटे उपग्रहों, अंतरिक्ष निर्माण और अंतरिक्ष डेटा को आईओटी (इंटरनेट ऑफ थिंग्स), स्वचालन और शासन में एकीकृत करने वाले अनुप्रयोगों के समूह की बात कर रहे हैं।

सारस्वत 'नेशनल मीट-2' को संबोधित कर रहे थे, जो इसरो और विभिन्न सरकारी विभागों के बीच एक संवाद कार्यक्रम था। आयोजन में इसरो के अध्यक्ष वी. नारायणन और भारतीय राष्ट्रीय अंतरिक्ष संवर्धन एवं प्राधिकरण केंद्र (आईएनएसपीएसीई) के अध्यक्ष पवन गोयनका भी शामिल हुए। उन्होंने कहा कि अंतरिक्ष परिसंपत्तियों की निगरानी, आर्थिक विकास के लिए उपग्रह नेटवर्क, सीमा सुरक्षा, पर्यटन, अंतरिक्ष में मलबे में कमी लाने, अंतरिक्ष अन्वेषण, अंतरिक्ष आधारित ऊर्जा और भविष्य के लिए कानूनी ढांचे के संबंध में एक वैश्विक गठबंधन आवश्यक है। सारस्वत ने कहा कि अपनी वैज्ञानिक प्रतिभा, मज़बूत औद्योगिक आधार और उद्यमशीलता की भावना के साथ भारत वैश्विक परिदृश्य में एक बड़ी भूमिका निभाने के लिए पूरी तरह तैयार है। उन्होंने सरकार, उद्योग, शिक्षा जगत और स्टार्ट-अप के बीच तालमेल के महत्व पर ज़ोर दिया। उन्होंने कहा, प्रत्येक अपने साथ अद्वितीय शक्तियां, नीतिगत दिशा, तकनीकी विशेषज्ञता, नवीन दक्षता और क्षेत्र-विशेषज्ञता लेकर आता है।

जम्मू : 'कस्टोडियन भूमि' हड़पने के मामले में ईडी की छापेमारी

जम्मू/भाषा। प्रवर्तन निदेशालय ने शुक्रवार को जम्मू क्षेत्र में राजस्व विभाग के कुछ अधिकारियों के खिलाफ कई स्थानों पर छापेमारी की। यह छापेमारी 'कस्टोडियन भूमि' पर कथित कब्जे से जुड़े धनशोधन के एक मामले की जांच के तहत की गई। 'कस्टोडियन भूमि' से तात्पर्य भारत में 'शत्रु संपत्ति' से है जो कि शत्रु संपत्ति अधिनियम 1968 के तहत 'शत्रु' घोषित पाकिस्तानी नागरिकों के स्वामित्व वाली भूमि और अन्य संपत्ति है।

सूत्रों ने बताया कि धनशोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत जम्मू में कम से कम नौ और उधमपुर में एक स्थान पर छापेमारी की गई। उन्होंने बताया कि पटवारी रैंक के अधिकारियों प्रणव देव सिंह और राहुल काई तथा नायब तहसीलदार अकील अहमद के अलावा कुछ अन्य लोगों से जुड़े स्थानों को 2022 से जम्मू में कस्टोडियन भूमि से संबंधित भूमि हड़पने और भ्रष्टाचार के मामले में जांच के दायरे में लाया जा रहा है। धन शोधन का यह मामला जम्मू-कश्मीर पुलिस के भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (केन्द्रीय) द्वारा दर्ज की गई प्राथमिकी से उत्पन्न हुआ है।

महत्वपूर्ण संचार ढांचे के लिए विकसित की जा रहीं नीतियां: ट्राई चेयरमैन

नई दिल्ली/भाषा। दूरसंचार नियामक ट्राई ने शुक्रवार को कहा कि देश में महत्वपूर्ण संचार यानी क्रिटिकल कम्युनिकेशन से जुड़ी नीतियां और ढांचा तेजी से विकसित किया जा रहा है ताकि एक मजबूत, सुरक्षित और एकीकृत राष्ट्रीय प्रणाली बनाई जा सके। महत्वपूर्ण संचार सेवाओं का इस्तेमाल आपातकालीन स्थितियों, सार्वजनिक सुरक्षा, आपदा प्रबंधन, रक्षा और रेलवे एवं विमानन जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में किया जाता है। इन संचार सेवाओं का हर हालत में चालू रहना जरूरी होता है।

भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण (ट्राई) के चेयरमैन ए. के. लाहोटी ने यहां ब्रॉडबैंड इंडिया फोरम के एक कार्यक्रम में कहा, नीतियां, स्पेक्ट्रम और मानक तेजी से तैयार किए जा रहे हैं ताकि देश में महत्वपूर्ण संचार के लिए एक लचीला और सुरक्षित ढांचा विकसित हो सके। उन्होंने बताया कि सरकार ने 2018 में राष्ट्रीय डिजिटल संचार नीति (एनडीसीपी-2018) के तहत सार्वजनिक संरक्षण एवं आपदा राहत (पीपीडीआर) नेटवर्क को सशक्त करने की घोषणा की थी।

ट्राई ने अगली पीढ़ी के पीपीडीआर संचार नेटवर्क के बारे में सरकार को जून, 2018 में सिफारिशें दी थीं। इनमें पूरे देश के लिए एक एकीकृत ब्रॉडबैंड पीपीडीआर नेटवर्क की स्थापना और मेट्रो शहरों, सीमावर्ती जिलों, आपदा प्रभावित क्षेत्रों तथा संवेदनशील क्षेत्रों में हाइब्रिड मॉडल लागू करने का सुझाव दिया गया था। इस अवसर पर लाहोटी ने कहा कि दूरसंचार विभाग से मिले संदर्भों के आधार पर ट्राई ने रेलवे सुरक्षा के लिए 700 मेगाहर्ट्ज़ बैंड में 10 मेगाहर्ट्ज़ का साझा स्पेक्ट्रम आवंटित करने की सिफारिश की है।

वाईएसआरसीपी का भाजपा की 'बी-टीम' के रूप में फिर से पर्दाफाश हो गया : शर्मिला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अमरावती/भाषा। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की ओर से उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार सीपी राधाकृष्णन को समर्थन देने के लिए वाईएसआरसीपी की आलोचना करते हुए आंध्र प्रदेश कांग्रेस कमेटी की अध्यक्ष वाईएस शर्मिला ने आरोप लगाया कि वाईएसआरसीपी एक बार फिर बेनकाब हो गई है और खुद को भाजपा की 'बी-टीम' साबित कर रही है।

शर्मिला ने आरोप लगाया कि आंध्र प्रदेश में लड़ने का दिखावा करने वाली वाईएसआरसीपी नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सामने चुपके से झुक जाती है और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के एजेंडे का समर्थन कर तेलुगु लोगों के साथ विश्वासघात करती है। उन्होंने सवाल किया कि वाईएसआरसीपी ने राजग की ओर उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार का समर्थन क्यों किया। उन्होंने दावा किया कि यह पार्टी के भाजपा के साथ गुप्त समझौते का सबूत है, जबकि तेलुगु देशम पार्टी (तेदेपा) और जनसेना का भाजपा के साथ गठबंधन जगजाहिर है। शर्मिला ने एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा, वाईएसआरसीपी एक बार फिर बेनकाब हो गई है, और स्पष्ट रूप से साबित हो गया है कि वह भाजपा की 'बी-टीम' से ज्यादा कुछ नहीं है। उन्होंने कहा कि वाईएसआरसीपी का मुखौटा उतर चुका है और उसके नीचे का भगवा स्कार्फ साफ दिखाई दे रहा है।

उन्होंने आरोप लगाया कि अब यह स्पष्ट हो गया है कि पूर्व मुख्यमंत्री वाईएस जगनमोहन रेड्डी मोदी के ''पालक पुत्र'' बन गए हैं। शर्मिला ने यह भी आरोप लगाया कि वाईएसआरसीपी राज्य में विपक्ष की तरह काम करती है, लेकिन केंद्र में ''भाजपा की सेवक'' के रूप में काम करती है। उन्होंने आरोप लगाया कि रेड्डी, मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू और उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण ''सभी मोदी की कठपुतली हैं''।

यूएसएड को भारत में मतदान के लिए 2.1 करोड़ डॉलर नहीं मिले : दूतावास ने विदेश मंत्रालय को बताया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। विदेश मंत्रालय ने संसद में कहा कि अमेरिकी दूतावास ने जानकारी दी है कि ''यूएसएड/भारत ने वित्त वर्ष 2014 से 2024 तक भारत में मतदान प्रतिशत के लिए 2.1 करोड़ डॉलर का न तो वित्तपोषण लिया, न ही प्रदान किया, न ही इसने भारत में मतदान प्रतिशत से संबंधित कोई कार्य संपन्न किया है।

विदेश मंत्रालय ने बृहस्पतिवार को माकपा के राज्यसभा सदस्य जॉन ब्रिटास के एक प्रश्न के लिखित उत्तर में यह बात कही। ब्रिटास ने भारतीय चुनावों में मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए ''संयुक्त राज्य अमेरिका अंतरराष्ट्रीय विकास एजेंसी के धन के उपयोग का दावा करने वाली रिपोर्ट'' पर सरकार द्वारा की गई कार्रवाई की स्थिति के बारे में सवाल किया था। विदेश राज्य मंत्री कीर्तिवर्धन सिंह ने अपने लिखित जवाब में कहा, 28 फरवरी को विदेश मंत्रालय ने नई दिल्ली स्थित अमेरिकी दूतावास से अनुरोध किया कि वह पिछले दस साल में भारत में यूएसएड द्वारा सहायता प्राप्त/वित्त पोषित सभी परियोजनाओं (भारत सरकार के साथ सात साझेदारी करारों के तहत क्रियान्वित की जा रही परियोजनाओं को छोड़कर) पर किए गए व्यय का विवरण तत्काल प्रस्तुत करे। उन्होंने कहा, दो जुलाई को, अमेरिकी दूतावास द्वारा आंकड़े साझा किए गए, जिसमें उनके अनुसार 2014 से 2024 तक भारत में यूएसएड द्वारा किए गए वित्तपोषण में कार्यान्वयन भागीदारों, उद्देश्यों और प्रत्येक गतिविधि की प्रमुख उपलब्धियों का विवरण शामिल है।

एअर इंडिया की मुंबई-जोधपुर उड़ान 'परिचालन संबंधी कारणों' से की रद्द

मुंबई/भाषा। मुंबई से जोधपुर जाने वाली एअर इंडिया की उड़ान शुक्रवार को 'परिचालन' संबंधी कारणों से निरस्त कर दी गई और विमान को वापस 'बे' में लाया गया।

टाटा के स्वामित्व वाली विमानन कंपनी 'एअर इंडिया' ने एक बयान में कहा कि यात्रियों को उनके गंतव्य तक पहुंचाने के लिए वैकल्पिक व्यवस्था की गई। लेकिन इस बारे में कोई और जानकारी नहीं दी गई। बयान में कहा गया है, मुंबई से जोधपुर के लिए 22 अगस्त की उड़ान संख्या एआई645 एक परिचालन संबंधी समस्या के कारण रद्द कर दिया गया है और विमान को 'बे' में लाया गया। कॉकपिट के चालक दल ने मानक संचालन प्रक्रियाओं का पालन करते हुए उड़ान को रोकने का फैसला किया और विमान को वापस ले आए।

बयान में कहा गया, मुंबई में हमारी 'ग्राउंड टीम' ने असुविधा को कम करने के लिए तत्काल सहायता प्रदान की।

कभी न तो डरूंगी और न ही हार मानूंगी: मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने 'जनसुनवाई' के दौरान हुए हमले के दो दिन बाद शुक्रवार को औपचारिक तौर पर कामकाज फिर शुरू करते हुए कहा कि वह कभी न डरेंगी, न ही हारेंगी और राष्ट्रीय राजधानी के अधिकारों के लिए संघर्ष करती रहेंगी।

रेखा गुप्ता ने यमुना पार इलाके के गांधी नगर में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि संघर्ष उनका 'अटल संकल्प' है। उन्होंने कहा, आपकी मुख्यमंत्री न तो डरेंगी, न थकेंगी और न ही हारेंगी। मैं आपके साथ तब तक संघर्ष करती रहूंगी जब तक दिल्ली को उसके अधिकार नहीं मिल जाते। यह मेरा अटल संकल्प है। गुजरात के राजकोट निवासी राजेशभाई खिमजी ने बुधवार सुबह दिल्ली के सिविल लाइंस इलाके स्थित मुख्यमंत्री के कैंप कार्यालय में 'जन सुनवाई' कार्यक्रम के दौरान रेखा गुप्ता पर हमला किया था। आरोपी को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ हत्या के प्रयास का मामला दर्ज किया गया था। रेखा गुप्ता ने कहा कि पिछले 10-12 वर्ष में दिल्ली पिछड़ गई है लेकिन भाजपा की सरकार विकास सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने राष्ट्रीय राजधानी के यमुना पार क्षेत्र के विकास के लिए हर संभव बजटीय सहायता का आश्वासन भी दिया और कहा कि इससे एक विकसित दिल्ली के निर्माण में मदद मिलेगी।

रेखा गुप्ता ने हमले के दो दिन बाद एशिया के सबसे बड़े रेडीमेड गारमेंट केंद्र गांधी नगर में 'एसोसिएशन ऑफ होलसेल गारमेंट डीलर्स' की स्थापना की 50वीं वर्षगांठ पर आयोजित समारोह में भाग लेकर अपने आधिकारिक कार्यों की फिर से शुरुआत की।

ऑनलाइन गेमिंग विधेयक के ''निषेध'' संबंधी प्रावधान पहले लागू करने पर सरकार कर रही है विचार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। आईटी सचिव एस. कृष्णन ने कहा कि ऑनलाइन गेमिंग विधेयक को राष्ट्रपति की मंजूरी मिलने और अधिसूचित होने के बाद सरकार अन्य धाराओं से पहले ''निषेध धाराओं'' को लागू करने पर विचार कर रही है। उन्होंने कहा कि इस बीच कानून के अन्य प्रावधानों के लिए नियमों का मसौदा तैयार करने का काम भी शुरू हो चुका है।

कृष्णन ने 'पीटीआई-भाषा' के साथ साक्षात्कार में कहा कि प्रस्तावित नियम ई-स्पोर्ट्स और ऑनलाइन सोशल गेम के प्रचार एवं विनियमन के लिए एक रूपरेखा प्रदान करेंगे। साथ ही ऑनलाइन गेमिंग विधेयक, 2025 के प्रचार एवं विनियमन में परिकल्पित नियामक प्राधिकरण का गठन भी करेंगे। संसद ने पैसे से खेले जाने वाले सभी प्रकार के खेलों पर प्रतिबंध लगाने और ई-स्पोर्ट्स एवं ऑनलाइन सोशल गेमिंग को बढ़ावा देने वाले विधेयक को बृहस्पतिवार को राज्यसभा में बिना किसी बहस के पारित कर दिया। सरकार ने जोर देकर कहा कि 'ऑनलाइन मनी गेमिंग' एक गंभीर सामाजिक और जन स्वास्थ्य समस्या बन गई है, जिसका समाज पर स्पष्ट रूप से नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है। साथ ही, केंद्र सरकार ई-स्पोर्ट्स और सोशल गेमिंग को बढ़ावा देने पर बल दे रही है और भारत को खेल विकास के एक वैश्विक केंद्र के रूप में स्थापित करना चाहती है। कृष्णन ने कहा, ऑनलाइन मनी गेम के इर्द-गिर्द एक सामाजिक बुराई है, जिसे सरकार (विधेयक के माध्यम से) दूर करना चाहती है... और मुझे लगता है कि हमें उस भावना का सम्मान करना चाहिए और यह सुनिश्चित करना चाहिए कि हम, बैकएंड' पर जो भी काम करने की जरूरत है उसे और अधिक तेजी से कर सकें। राष्ट्रपति की मंजूरी मिलते ही इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) मंत्रालय तेजी से कानून के कार्यान्वयन के लिए तैयारी कर रहा है।

पंजाब: लोगों ने जिम्बाबे के छात्र को लाठियों से पीटा, आठ दिन बाद हुई मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बठिंडा/भाषा। पंजाब के शहर बठिंडा में भीड़ द्वारा 13 अगस्त को कथित तौर पर पीटे जाने के बाद घायल हुए जिम्बाबे के 22 वर्षीय छात्र की मौत हो गई है। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।

गुरु काशी विश्वविद्यालय के सुरक्षा गार्ड दिलप्रीत सिंह और आठ अन्य लोगों ने कथित तौर पर जीवेया लीरॉय की पिटाई की।

लीरॉय की बृहस्पतिवार को बठिंडा के अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान में उपचार के दौरान मौत हो गई। पुलिस के अनुसार, 12 अगस्त को लीरॉय की कार में बेसबॉल क्लब मिलने के बाद सुरक्षा गार्ड और उसके बीच बहस हुई। एक दिन बाद दिलप्रीत सिंह और उसके आठ अन्य साथियों ने कथित तौर पर लीरॉय को लाठियों से पीटा जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया था।

पुलिस ने बताया कि नौ लोगों के खिलाफ पहले दर्ज की गई प्राथमिकी में अब हत्या का आरोप भी जोड़ दिया गया है और आठ आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है।

विंजो, नजारा ने 'पैसे वाली' ऑनलाइन गेमिंग पेशकश बंद कीं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। ऑनलाइन गेमिंग मंच विंजो और नजारा टेक्नोलॉजीज समर्थित मूनशाइन टेक्नोलॉजीज (पोकरबाजी) ने शुक्रवार को कहा कि संसद में पारित ऑनलाइन गेमिंग विधेयक 2025 के मद्देनजर उसने पैसे से खेले जाने वाले अपने ऑनलाइन गेमिंग परिचालन को निलंबित कर दिया है।

ऑनलाइन गेमिंग संवर्धन एवं विनियमन विधेयक, 2025 सभी प्रकार के 'रियल मनी' वाले ऑनलाइन खेलों पर पूर्ण प्रतिबंध लगाता है। साथ ही ई-स्पोर्ट्स और निःशुल्क सामाजिक खेलों के विकास को प्रोत्साहित करता है। यह बृहस्पतिवार को उच्च सदन में पारित हुआ है। नजारा टेक्नोलॉजीज ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि उसकी अनुषंगी कंपनी मूनशाइन टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड जो पोकरबाजी का स्वामित्व एवं संचालन करती है उसने नए कानून के अनुरूप अपनी 'रियल मनी' की पेशकश को निलंबित कर दिया है।

बयान में कहा गया, 21 अगस्त, 2025 को संसद द्वारा पारित ऑनलाइन गेमिंग विधेयक, 2025 के प्रचार एवं विनियमन के अनुसार और उसके अधिनियमित होने तक हम सूचित करना चाहते हैं कि अत्यधिक सावधानी के साथ एवं सरकार के आदेश का सम्मान करते हुए नजारा टेक्नोलॉजीज लिमिटेड की 46.07 प्रतिशत हिस्सेदारी वाली अनुषंगी कंपनी ने 'रियल मनी' वाले ऑनलाइन गेमिंग संचालन की पेशकश बंद कर दी है। विंजो कहा कि वह देश के कानून का पूरी तरह से पालन करते हुए '' प्रभावित पेशकशों को तत्काल प्रभाव से पूरी जिम्मेदारी के साथ वापस ले रही है। कंपनी के पास 100 से अधिक 'रियल मनी' वाले खेलों का खंड है जिसमें रम्मी, सॉलिटेयर, देहला पकड़, फैंटेसी क्रिकेट और पोकर जैसे गेम शामिल हैं। मोबाइल प्रीमियर लीग (एमपीएल) ने भी भारत में अपने सभी 'रियल-मनी' गेमिंग पेशकश को निलंबित कर दिया है।

उसने कहा, हम भारत में एमपीएल मंच पर पैसे से जुड़े सभी गेमिंग ऑफर को तुरंत प्रभाव से निलंबित कर रहे हैं। एमपीएल के एशिया, यूरोप और उत्तरी अमेरिका में 12 करोड़ से अधिक पंजीकृत उपयोगकर्ता हैं।

इंडिया गेमिंग रिपोर्ट 2025 के अनुसार, भारत में दुनिया के गेमिंग उपयोगकर्ता आधार का करीब 20 प्रतिशत और वैश्विक गेमिंग ऐप डाउनलोड का 15.1 प्रतिशत हिस्सा है। 2024 में 3.7 अरब अमेरिकी डॉलर मूल्य का घरेलू गेमिंग क्षेत्र 19.6 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि दर से बढ़ते हुए 2029 तक 9.1 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है।

ई-स्कूटर चेतक की आपूर्ति फिर से शुरू, दुर्लभ खनिज की पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित : बजाज ऑटो

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। मोटर वाहन विनिर्माता कंपनी बजाज ऑटो ने वैश्विक स्तर पर दुर्लभ खनिज की उपलब्धता के कारण उत्पन्न बाधाओं को दूर करने के बाद सभी डीलरशिप पर अपने इलेक्ट्रिक स्कूटर चेतक की आपूर्ति फिर से शुरू करने की शुक्रवार को जानकारी दी।

बजाज ऑटो ने बयान में कहा कि हाल के सप्ताह में अंतरराष्ट्रीय कलपुर्जों की उपलब्धता से जुड़ी अस्थायी आपूर्ति बाधाओं के कारण आपूर्ति में कमी आई थी। चेतक की निरंतर एवं बढ़ती मांग ने आपूर्ति पर और दबाव बढ़ा दिया। उत्पादन और निर्यात 20 अगस्त को पुनः शुरू हो गया, जिससे अपेक्षा से अधिक तेजी से वापसी हुई।

इसके अलावा बजाज ऑटो ने कहा कि उसने '' आगामी त्योहारों के दौरान उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए दुर्लभ खनिज (चुंबक) और अन्य प्रमुख सामग्रियों की पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित कर ली है।

बजाज ऑटो के अध्यक्ष (शहरी कारोबार) एरिक वास ने कहा, चेतक की मांग मजबूत बनी हुई है, आपूर्ति सामान्य हो गई है और बुकिंग के आधार पर आपूर्ति शुरू हो गई है। हम बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए उत्पादन बढ़ा रहे हैं। साथ ही गुणवत्ता और ग्राहक संतुष्टि के अपने मानकों पर भी खरे उतर रहे हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के शुल्क युद्ध के मद्देनजर इलेक्ट्रिक वाहनों के एक प्रमुख घटक दुर्लभ खनिज (चुंबक) के निर्यात पर चीन द्वारा लगाए गए प्रतिबंध से भारत सहित वैश्विक वाहन विनिर्माता प्रभावित हुए हैं।

स्टालिन को संविधान संशोधन विधेयक को 'काला विधेयक' कहने का कोई अधिकार नहीं : शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुनेलवेली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन पर निशाना साधते हुए शुक्रवार को कहा कि स्टालिन को 130वें संविधान संशोधन विधेयक को काला विधेयक' कहने का कोई अधिकार नहीं है, क्योंकि उन्होंने स्वयं ''काले कारनामे'' किए हैं।

शाह ने यहां पार्टी के एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए आरोप लगाया कि द्रविड़ मुन्नेत्र कषगम (द्रमुक) ''देश की सबसे भ्रष्ट'' सरकार का नेतृत्व कर रही है, जबकि वह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी हैं जो तमिल के नीतिपरक ग्रंथ 'तिरुक्कुरल' में एक योग्य और आदर्श शासक के

लिए वर्णित दिशा-निर्देशों के अनुसार सरकार चला रहे हैं।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन को 130वें संविधान संशोधन विधेयक को 'काला विधेयक' कहने का कोई अधिकार नहीं है, क्योंकि वह खुद एक ऐसे मुख्यमंत्री हैं जिन्होंने ''काले कारनामे'' किए हैं। उन्होंने तमिलनाडु की मौजूदा सरकार के कार्यकाल में ''घोटाले'' होने का आरोप लगाया।

द्रमुक नेता एवं पूर्व मंत्री के. पोनमुडी के खिलाफ मामले और वी. सेंथिल बालाजी के खिलाफ हाल के मामले का हवाला देते हुए शाह ने सवाल किया कि क्या जेल में रहने के बावजूद मंत्रिमंडल का हिस्सा बने रहना और शासन करना उचित है। बालाजी प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) मामले के सिलसिले में जेल में रहने के बावजूद मंत्री बने रहे थे।

कांग्रेस नेता सोनिया गांधी पर निशाना साधते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि उनका एकमात्र एजेंडा अपने बेटे राहुल गांधी को प्रधानमंत्री बनाना है।

उन्होंने कहा कि इसी तरह स्टालिन का एकमात्र एजेंडा अपने बेटे उदयनिधि को मुख्यमंत्री बनाना है। शाह ने कहा कि दोनों सफल नहीं होंगे, क्योंकि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) विजयी होगा।

तिरूनेलवेली पहुंचे अमित शाह

तिरूनेलवेली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह शुक्रवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की बूथ समिति के सदस्यों को संबोधित करने के लिए तिरूनेलवेली पहुंचे। कोच्चि से आगमन पर पार्टी कार्यकर्ताओं ने शाह का गर्मजोशी से स्वागत किया। शाह ने बाद में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष नैनार नागेंथिरन के साथ उनके घर पर चाय पी। इस सभा में कन्याकुमारी, तेनकाशी, तूतीकोरिन, विरुधुनगर और तिरुनेलवेली संसदीय क्षेत्रों के बूथ समिति सदस्य भाग ले रहे हैं।

आने वाले महीने भाजपा के लिए महत्वपूर्ण, पार्टी कार्यकर्ता जीत के लिए कड़ी मेहनत करें : नागेंथिरन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरूनेलवली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की तमिलनाडु इकाई के प्रमुख नयनार नागेंथिरन ने अगले आठ महीनों को बहुत महत्वपूर्ण बताते हुए शुक्रवार को भाजपा कार्यकर्ताओं से अपनी गतिविधियों को सुव्यवस्थित करने और अगले साल विधानसभा चुनाव में पार्टी की जीत के लिए कड़ी मेहनत करने का आग्रह किया।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की मौजूदगी में यहां बूथ समिति सम्मेलन में भाजपा पदाधिकारियों को संबोधित करते हुए नागेंथिरन ने कहा कि पार्टी ने 2026 के विधानसभा चुनाव में जीत सुनिश्चित करने के लिए नेतृत्व के प्रति प्रतिबद्धता जताई है।

उन्होंने कहा, इसलिए, ''इसी भावना के साथ काम करें और सुनिश्चित करें कि हम

विजयी हों। याद रखें, अगले आठ महीने हमारे लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं।'' तिरुनेलवेली के रहने वाले नागेंथिरन ने तमिलनाडु के मुख्यमंत्री को ''अन्नाची'' (बड़ा भाई) कहकर संबोधित करने के लिए स्थानीय भाषा (तमिल) का सहारा लिया और पूछा, ''मुख्यमंत्री स्टालिन अन्नाची, आपके (2021 के) चुनावी वादों का क्या हुआ? आपके द्वारा दिये गए लगभग 400 आश्वासन अधूरे रह गए हैं।'' उन्होंने कहा कि प्रदेश भाजपा इकाई ने जल्द ही चेन्नई में आठ लाख सदस्यों की भागीदारी के साथ एक विशाल बूथ समिति बैठक की योजना बनाई है।

सीबीआई ने रिश्वत मामले में पुडुचेरी में एक सहायक श्रम आयुक्त को गिरफ्तार किया

चेन्नई। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने रिश्वतखोरी के एक मामले में सहायक श्रम आयुक्त (केंद्रीय), श्रम एवं रोजगार मंत्रालय, भारत सरकार, पुडुचेरी और एक निजी व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। सीबीआई ने 21 अगस्त को आरोपी सहायक श्रम आयुक्त रमेश कुमार, एक निजी कंपनी के तीन कर्मियों, एक निजी व्यक्ति एलंगो आर, और अन्य अज्ञात लोक सेवकों एवं निजी व्यक्तियों के विरुद्ध मामला दर्ज किया। उन पर आरोप है कि आरोपी सहायक श्रम आयुक्त ने निजी कंपनी के एक निजी व्यक्ति के माध्यम से, जिसका प्रतिनिधित्व कंपनी के तीन कर्मियों द्वारा किया गया था, एक कंपनी को दो श्रम लाइसेंस जारी करने के लिए अवैध रूप से 1 लाख रुपये की मांग की, जिसने त्रिची में एनएचएआई सड़क ठेका लिया था।

उक्त ठेके के लिए, कंपनी ने सहायक श्रम आयुक्त (केंद्रीय), पुडुचेरी के कार्यालय में दो श्रम लाइसेंस के लिए आवेदन किया था। चूँकि कंपनी के पास श्रम लाइसेंस नहीं था, इसलिए उसका भुगतान एनएचएआई के पास लंबित था। मामला दर्ज होने के बाद, आरोपी लोक सेवक और उस निजी व्यक्ति (जिसके माध्यम से रिश्वत मांगी गई थी) को हिरासत में लिया गया और आरोपी लोक सेवक के कार्यालय कक्ष से एक लाख रुपये की राशि बरामद की गई। दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। गिरफ्तार आरोपी लोक सेवक और निजी व्यक्ति को पुडुचेरी की अदालत में पेश किया गया और 4 सितम्बर तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। सीबीआई ने तमिलनाडु के थेनी स्थित आरोपी लोक सेवक के आधिकारिक और आवासीय परिसरों तथा एक निजी कंपनी के परिसरों की तलाशी ली, जिसमें आपत्तिजनक दस्तावेज़ बरामद हुए।

अल्पसंख्यक ऐसे संकट का सामना कर रहे हैं, जैसा पहले कभी नहीं देखा गया: स्टालिन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/भाषा। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन ने शुक्रवार को दावा किया कि अल्पसंख्यकों को ऐसे संकट का सामना करना पड़ रहा है, जैसा पहले कभी नहीं देखा गया और देश में सांप्रदायिक सौहार्द को अस्थिर करने की कोशिशें ज्यादा समय तक नहीं टिक पाएंगी।

मुख्यमंत्री स्टालिन ने कहा कि उनके नेतृत्व वाली द्रविड़ मुन्नेत्र कषगम (द्रमुक) सरकार सभी के लिए शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए जाति और धर्म आधारित असमानताओं को समाप्त करने की दिशा में लगातार प्रयास कर रही है, जबकि देश के कुछ राज्यों में घृणा की भावना को भड़काया जा रहा है। स्टालिन ने किसी का नाम लिये बिना कहा, ''हैरानी की बात है कि उन राज्य सरकारों ने भी उस कदम का समर्थन किया।'' स्टालिन यहां गुड शेफर्ड कॉन्वेंट के शताब्दी समारोह को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा, ''हम शिक्षा और अन्य क्षेत्रों में सभी के लिए सब कुछ

सुनिश्चित करने के सिद्धांत पर काम कर रहे हैं। सरकार ने शिक्षा को बढ़ावा देनेको कई योजनाओं के माध्यम से छात्रों को प्रोत्साहित किया है, जैसे मुख्यमंत्री नाश्ता योजना और नान मुदलवन योजना।'' उन्होंने कहा, ''अल्पसंख्यकों को ऐसे संकट का सामना करना पड़ रहा है, जैसा पहले कभी नहीं देखा गया। यह स्थायी नहीं है। देश के सांप्रदायिक सद्भाव को अस्थिर करने की चाहत रखने वाली ताकतों के मंसूबे ज़्यादा दिन नहीं चलेंगे।'' स्टालिन ने छात्रों से आह्वान किया कि वे सभी को समान समझना सीखें और जाति या धर्म के आधार पर किसी के साथ भेदभाव नहीं करें। मुख्यमंत्री ने कहा, ''एक समतावादी समाज और भाईचारा तभी कायम होगा, जब आप इसी भावना के साथ बड़े होंगे।'' उन्होंने कहा उनकी शैक्षणिक प्रगति के लिए विज्ञान का उपयोग किया जाना चाहिए, लेकिन उसे उनकी सोच को आकार नहीं देने दें। स्टालिन ने सलाह दी, ''इसी तरह, इंस्टाग्राम पर अपने आदर्शों की खोज न करें। मनोरंजन जीवन का हिस्सा है, लेकिन जीवन नहीं। रील को वास्तविकता नहीं मानें। अंक और डिग्री का मूल्य लाइक और व्यूज से अधिक है।''

स्टालिन ने चेन्नई को 'तमिलनाडु की धड़कन' बताया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने शुक्रवार को चेन्नई की 386वीं वर्षगांठ पर अवसर प्रदान करने और अनगिनत व्यक्तियों को करियर की सफलता की ओर पहला कदम बढ़ाने में मदद करने में इस शहर की भूमिका की प्रशंसा की। उन्होंने महिलाओं को सशक्त बनाने में चेन्नई शहर के योगदान पर जोर देते हुए कहा कि यह उनके करियर को आगे बढ़ाने में विशेष रूप से सहायक रहा है।

स्टालिन ने कहा, ''यह केवल एक शहर ही नहीं, बल्कि तमिलनाडु की धड़कन है।'' मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा कि चेन्नई ने कई निवासियों को पहली नौकरी और उनके गृहनगर में पहचान दिलाई है।

उन्होंने पीढ़ियों से आजीविका और अवसर के केंद्र के रूप में इस शहर की स्थायी भूमिका पर प्रकाश डाला। स्टालिन ने इस अवसर पर चेन्नई के कुछ प्रतिष्ठित स्थलों को प्रदर्शित करते हुए एक मिनट का वीडियो साझा किया।

'अमृता' की छात्रा श्रेया अनीश ने अंतर्राष्ट्रीय मंच पर स्वर्ण पदक जीता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां अमृता की पाककला का गौरव वैश्विक मंच पर चमका। श्रेया अनीश ने वर्ल्ड एसोसिएशन ऑफ शेफ्स सोसाइटीज़ (वर्ल्डशेफ्स) द्वारा समर्थित 2025 होटेलएक्स चाइना इंटरनेशनल चाइनीज़ क्यूज़ीन चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक और 2.50 लाख रुपये नकद पुरस्कार के साथ विदेशी चैंपियनशिप जीती।

चेन्नई के अमिरता इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट में होटल मैनेजमेंट में एमबीए की छात्रा सुश्री श्रेया अनीश ने 24 से 26 जुलाई तक चीन के चेंगदू में आयोजित 2025 होटल एक्स चाइना इंटरनेशनल चाइनीज क्यूजीन चैंपियनशिप में व्यक्तिगत खाद्य कला प्रदर्शन (नक्काशी) श्रेणी में स्वर्ण पदक जीतकर भारत को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गौरव दिलाया है।

इस उपलब्धि पर चेन्नई के अमृता ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के अध्यक्ष आर. बूमीनाथन ने सुश्री श्रेया अनीश को उनकी उल्लेखनीय उपलब्धि से भारत और संस्थान को गौरवान्वित करने के लिए हार्दिक बधाई दी। उन्होंने आगे कहा कि यह अविश्वसनीय उपलब्धि उनके समर्पण, कलात्मकता और पाककला की उत्कृष्टता के प्रति जुनून का प्रमाण है। श्रेया के प्रयासों की सराहना करते हुए, अध्यक्ष बूमीनाथन ने घोषणा की कि श्रेया की एमबीए की पूरी फीस चेन्नई के अमृता प्रबंधन द्वारा वहन की जाएगी। इस सम्मान समारोह में सीईओ कविता नंदकुमार, डीन सुरेन, स्टाफ और छात्रों ने भाग लिया।

केरल के रिजॉर्ट में छह दिनों तक ''कैद' करके रखे गए आदिवासी व्यक्ति को बचाया गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पलक्कड़। केरल के पलक्कड़ जिले के मुथलमाडा में एक रिजॉर्ट के मालिक और कर्मचारियों ने आदिवासी समुदाय के 54 वर्षीय एक व्यक्ति पर कथित तौर पर हमला किया और उसे छह दिनों तक बंधक बनाकर रखा। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि घटना के बारे में जानकारी मिलने के बाद मुथलमाडा के चंबाकुझी के मूचाकुंडु निवासी वेल्लयन को बृहस्पतिवार रात रिजॉर्ट से मुक्त कराया गया। मुथलमाडा पंचायत की पार्षद कल्पना देवी के मुताबिक, वेल्लयन 17 अगस्त को मजदूरी के लिए रिजॉर्ट गया था।

उन्होंने आरोप लगाया, वेल्लयन ने रिजॉर्ट में रखी शराब पी ली। इससे नाराज रिजॉर्ट मालिक प्रभु ने उसे (रिजॉर्ट के) एक कमरे में बंद कर दिया। उसे दिन में सिर्फ एक बार खाना दिया जाता था और अक्सर मारा-पीटा जाता था। कल्पना ने कहा कि बृहस्पतिवार को रिजॉर्ट में काम करने गए आदिवासी समुदाय के एक अन्य व्यक्ति ने देखा कि वेल्लयन को एक कमरे में बंद कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि उक्त व्यक्ति ने दलित कार्यकर्ताओं और उन्हें तुरंत इस बारे में सूचित किया।

कल्पना ने कहा, हम बृहस्पतिवार रात एक समूह में रिजॉर्ट पहुंचे। रिजॉर्ट के कर्मचारियों ने हमें अंदर जाने नहीं दिया, लेकिन हम जबरन परिसर में घुस गए और तलाशी ली, तो वेल्लयन एक कमरे में बंद मिला। फिर हमने पुलिस को सूचित किया, जिसने आकर उसे मुक्त कराया। उन्होंने बताया कि वेल्लयन को पलक्कड़ जिले के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसका इलाज किया जा रहा है। कल्पना ने कहा, जिला पुलिस प्रमुख ने हमसे बात की और हमें आश्वासन दिया कि इस मामले में जिम्मेदार लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की जाएगी। हमने जिलाधिकारी को भी घटना की जानकारी दे दी है। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि घटना के सिलसिले में मामला दर्ज कर लिया गया है। उन्होंने बताया कि रिजॉर्ट मालिक और कर्मचारी अभी फरार हैं और उनकी तलाश जारी है।

चेन्नई हवाईअड्डे पर शार्क के डैने, गांजा जब्त, यात्री गिरफ्तार

चेन्नई। चेन्नई हवाईअड्डे पर तलाशी के दौरान बीते कुछ दिनों में कई मौकों पर शार्क के डैने और प्रतिबंधित मादक पदार्थ जब्त किए गए और विभिन्न विदेशी स्थानों पर जाने के लिए यहां पहुंचे दो लोगों को इस संबंध में गिरफ्तार किया गया है। सीमा शुल्क विभाग ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। विशिष्ट सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए सीमा शुल्क विभाग के अधिकारियों ने 17 अगस्त को सिंगापुर जा रहे दो पुरुषों को रोका और 11.6 किलोग्राम शार्क के डैने बरामद किए।

सीमा शुल्क विभाग के संयुक्त आयुक्त सदीश कुमार द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है, पूछताछ के दौरान यात्रियों ने स्वीकार किया कि उन्हें एक व्यक्ति ने काम पर रखा था और सिंगापुर तक तस्करी का सामान पहुंचाने के बदले पैसे देने का वादा किया था। विदेश व्यापार नीति के तहत शार्क के डैनों का निर्यात प्रतिबंधित है। इस प्रतिबंधित सामान को सीमा शुल्क अधिनियम, 1962 के प्रावधानों के तहत जब्त कर लिया गया है।

अधिकारियों ने 21 अगस्त को दो भिन्न घटनाओं में बैंकॉक से यहां पहुंचे दो अलग-अलग यात्रियों से प्रतिबंधित गांजा बरामद किया। पहले यात्री के सामान की जांच के दौरान वैक्यूम पैकेट में छिपाकर रखा गया 7,826 ग्राम हरे रंग का हाइड्रोपोनिक (जलपोषण) तरीके से उगाया गया गांजा (मारिजुआना) बरामद हुआ। उसने अपना अपराध स्वीकार कर लिया और मादक पदार्थ को स्वापक औषधि एवं मन:प्रभावी पदार्थ अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत जब्त कर लिया गया।

दूसरे यात्री के पास 3,966 ग्राम हाइड्रोपोनिक गांजा था, जिसे एक सूटकेस में छिपाकर रखा गया था। सामान की जांच से पुष्टि हुई कि बरामद पदार्थ गांजा-मारिजुआना था और पूछताछ के दौरान यात्री ने अपना अपराध कबूल कर लिया। विज्ञप्ति में बताया गया है कि दोनों मामलों में दोनों यात्रियों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

राजनीतिक दलों ने अभिनेता-नेता विजय पर किया पलटवार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। विपक्षी दल अन्नाद्रमुक और भाजपा तथा सत्तारूढ़ द्रमुक ने बृहस्पतिवार को मदुरै में तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) सम्मेलन में उनके नेताओं को निशाना बनाने के लिए अभिनेता-नेता विजय पर पलटवार किया। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन को चाचा कहकर संबोधित करने के लिए विजय पर कड़ी आपत्ति जताते हुए राज्य के नगर प्रशासन मंत्री के एन नेहरू ने कहा कि विजय ने निम्न राजनीतिक मानदंड प्रदर्शित किए हैं।

नेहरू ने संवाददाताओं से कहा, वह एक ऐसे कद्दावर नेता को, जो चार दशकों से राजनीति में हैं और मौजूदा मुख्यमंत्री हैं, 'चाचा' कहकर संबोधित करने में बहुत ही निम्न स्तर तक चले गए। जनता द्वारा समर्थित द्रमुक 2026 के विधानसभा चुनाव में विजय को करारा जवाब देगी।

पूर्व राज्यपाल तमिलिसाई सुंदरराजन ने संवाददाताओं से कहा, जब उन्होंने (विजय) भाजपा को फासीवाद से जोड़ा तो वह बकवास कर रहे थे। संभवतः, पार्टी सम्मेलन में अभिनेता जो पटकथा सुना रहे थे, वह किसी और ने लिखी थी। सुंदरराजन ने कहा कि शुरुआत में उन्हें लगा कि विजय जानकार हैं, लेकिन वह कुछ और ही निकले। उन्होंने कहा कि विजय संवाद बोलते नज़र आए। सुंदरराजन ने टीवीके के दूसरे सम्मेलन में विजय के भाषण की आलोचना करते हुए कहा, यह सिर्फ़ एक

दिन का फ़िल्म शो था। सभी राजनीतिक दलों पर निशाना साधते हुए विजय ने कहा था, प्रधानमंत्री जी, मछुआरों के मुद्दे पर मेरे पास आपसे प्रश्न हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री से श्रीलंका से कच्चातीवु द्वीप को वापस लेने के लिए कदम उठाने और तमिलनाडु को 'मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट' (राष्ट्रीय योग्यता सह प्रवेश परीक्षा) से छूट देने का आग्रह किया। विजय को राजनीतिक नौसिखिया बताते हुए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता आर. सरथ कुमार ने कहा कि हालांकि अभिनेताओं सहित किसी का भी राजनीति में शामिल होने का स्वागत है, लेकिन विजय को इस बात का कोई अंदाजा नहीं है कि वह किस बारे में बात कर रहे हैं। सरथ कुमार ने तूतीकोरिन में संवाददाताओं से कहा, मुझे आश्चर्य है कि क्या विजय जानते हैं कि फासीवाद का क्या मतलब है। वह एक राजनीतिक नौसिखिया हैं और उन्हें शायद ही पता है कि क्या बोलना है और पार्टी की विचारधारा को कैसे आगे बढ़ाना है। उन्हें मिस्टर 'प्राइम मिनिस्टर' कहने का कोई अधिकार नहीं है।

ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) प्रवक्ता वैगई सेलवन ने कहा कि विजय और उनकी पार्टी टीवीके 2026 के विधानसभा चुनाव के बाद गायब हो जाएगी। अन्नाद्रमुक के पूर्व राज्य मंत्री आर बी उदयकुमार ने कहा कि यह बहुत अजीब है कि अभिनेता ने पूछा कि अन्नाद्रमुक की कमान किसके हाथ में है। उदयकुमार ने पूछा, यह संदेह क्यों? क्या उन्हें नहीं पता कि पूर्व मुख्यमंत्री के पलानीस्वामी के पास पार्टी की कमान है और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने 2026 के चुनाव के लिए पलानीस्वामी को मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित किया है? मदुरै में पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय और क्षेत्रीय दोनों दलों को यह स्पष्ट रूप से समझ आ गया है कि द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) को सत्ता से हटाने के लिए उन्हें अन्नाद्रमुक के पीछे एकजुट होना होगा।

राजस्थान में हर क्षेत्र में अपार संभावनाएं : शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शुक्रवार को कहा कि राजस्थान में हर क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं। उन्होंने कहा कि राजस्थान पर्यटन, खनन, सौर और पवन ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में देश में अग्रणी राज्य बनकर उभर रहा है। वह यहां भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान (आईसीएआई) द्वारा आयोजित 'एआई इनोवेशन समिट 2025' को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने राज्य में निवेश को बढ़ावा देने के लिए 'राइजिंग राजस्थान समिट' के माध्यम से 35 लाख करोड़ के करार (एमओयू) किए। साथ ही, राज्य में पेयजल एवं बिजली की प्राथमिकता को समझते हुए कई निर्णय लिए गए। रामजल सेतु लिंक परियोजना, यमुना जल समझौता, देवास परियोजना, इंदिरा गांधी नहर, गंगनहर, माही बांध जैसी परियोजनाओं के माध्यम से जल की उपलब्धता सुनिश्चित की जा रही है।उन्होंने कहा कि बिजली के क्षेत्र में राज्य को आत्मनिर्भर बनाने के लिए भी फैसले लिए गए हैं। हम वर्ष 2027 तक किसानों को दिन में बिजली भी उपलब्ध कराएंगे। साथ ही, हमने पांच साल के कार्यकाल में युवाओं को चार लाख सरकारी और निजी क्षेत्र में छह लाख रोजगार देने का लक्ष्य रखा है। आधिकारिक बयान के अनुसार, शर्मा ने कहा कि चार्टर्ड अकाउटेंट (सीए) देश की आर्थिक व्यवस्था की आत्मा हैं तथा उनका राष्ट्र निर्माण में बड़ा योगदान है। उन्होंने सभी चार्टर्ड अकाउटेंट से आह्वान किया कि वे अपनी योग्यता, विचारों एवं मेहनत से राज्य के विकास में अधिक से अधिक भागीदार बनें तथा देश-प्रदेश की प्रगति में योगदान दें, जिससे विकसित एवं समृद्ध राजस्थान के संकल्प को गति मिले। उन्होंने कहा कि यह प्रसन्नता का विषय है कि देश में सबसे ज्यादा सीए राजस्थान से हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि एआई केवल एक तकनीक नहीं बल्कि एक क्रांति के रूप में आगे बढ़ रही है। भारत भी एआई क्षेत्र में तेजी से पहचान बना रहा है। एआई भारत की तकनीकी विशेषज्ञता में और बढ़ोतरी करेगा। उन्होंने कहा कि राजस्थान भी डिजिटल इंडिया मिशन और इंडिया एआई मिशन के साथ पूर्ण तालमेल और समन्वय में निरंतर कार्य कर रहा है। हमारी सरकार नई एआई और मशीन लर्निंग नीति पर भी काम कर रही है। उद्योग मंत्री कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने कहा कि मुख्यमंत्री शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार हर क्षेत्र में प्रगति कर रही है। विकास में नवीन तकनीकों एवं एआई का उपयोग कर राज्य को 'गुड गवर्नेंस' की ओर ले जाया जा रहा है।

भारी बारिश से चार जिलों के कई इलाके जलमग्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में दक्षिण पश्चिम मानसून की सक्रियता के कारण सवाई माधोपुर, टोंक, कोटा और भीलवाड़ा जिलों में भारी बारिश से कई इलाके जलमग्न हो गए। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मौसम विभाग ने चार दक्षिणी जिलों में शुक्रवार को भी भारी बारिश का 'ऑरेंज' अलर्ट जारी किया है। जयपुर स्थित मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार, शुक्रवार सुबह तक पिछले चौबीस घंटे के दौरान सवाई माधोपुर तहसील में सबसे अधिक 254 मिलीमीटर (मिमी) बारिश दर्ज की गई। मौसम विभाग के मुताबिक, सवाई माधोपुर में लगातार बारिश के कारण पत्ली पार इलाके में कई घर जलमग्न हो गए।

अधिकारियों ने बताया कि इसी तरह भारी बारिश के कारण एक पुलिया ढह जाने से राष्ट्रीय राजमार्ग-552 पर यातायात पूर्ण रूप से बाधित हो गया। उन्होंने बताया कि भीलवाड़ा के बिजोलिया में पिछले 24 घंटे में 170 मिलीमीटर बारिश के कारण पंचनपुरा बांध पर जलस्तर चेतावनी के निशान से ऊपर पहुंच गया और स्थानीय नदी भी उफान पर है। विभाग के अनुसार, पाटन (बूंदी) में 21 सेमी, बिजोलिया (भीलवाड़ा) में 17 सेमी, डीगोद (कोटा) में 15 सेमी, चौथ का बरवाड़ा (सवाई माधोपुर) में 15 सेमी, लाडपुरा (कोटा) में 14 सेमी, मलारना डूंगर (सवाई माधोपुर) में 13 सेमी, भूंगड़ा (बांसवाड़ा) में 12, किशनगंज (बारां) में 11 सेमी बारिश हुई। अधिकारियों ने बताया कि कोटा में शुक्रवार सुबह 25,000 क्यूसेक पानी छोड़ने के लिए कोटा बैराज के तीन गेट खोल दिए गए। उन्होंने बताया कि बूंदी के कापरेन कस्बे की कई निचली बस्तियां जलमग्न हो गईं और बढ़ते जलस्तर के कारण ग्रामीण इलाकों से संपर्क टूट गया। अधिकारियों ने बताया कि लगातार हो रही बारिश के कारण अजमेर में एक युवक बांध के पानी में डूब गया। वहीं जयपुर के चाकसू इलाके में मोटरसाइकिल सवार पति-पत्नी उफनती ढूंढ नदी में बह गये। पुलिस ने बताया कि स्थानीय लोगों ने पति को बचा लिया लेकिन पत्नी पानी की तेज धारा में बह गई। मौसम केंद्र ने उदयपुर, डूंगरपुर, बांसवाड़ा और प्रतापगढ़ जिलों में भारी बारिश का 'ऑरेंज अलर्ट' जारी किया है।

राज्य में 500 नए एफपीओ बनाए जाएंगे : राजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। शासन सचिव कृषि एवं उद्यानिकी राजन विशाल की अध्यक्षता में शुक्रवार को पंत कृषि भवन के सभा कक्ष में राज्य के एफपीओ कार्यान्वयन एजेन्सियों नाबार्ड, एनसीडीसी, नैफेड, एनडीडीबी, एफडीआरवीसी, एसएफएसी एवं कृषि, पशुपालन, सहकारिता एवं अन्य संबंधित विभागों के साथ समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। राजन विशान ने बताया कि राज्य में चरणबद्ध रूप से 500 नये कृषक उत्पादक संगठन बनाये जा रहे हैं तथा प्रदेश के किसानों को आर्थिक रूप से समृद्ध एवं खुशहान बनाने के लिए नई एफपीओ नीति लाई जा रही है। एफपीओं में एक जिला एक उत्पादन और पंच गौरव को प्राथमिकता से शामिल किया जायेगा। प्रदेश में पहली बार कृषक उत्पादक संगठनों को मजबूती प्रदान करने, किसानों को कंपनी पेटेंट, सर्टिफिकेशन, लाइसेंस और मार्केटिंग लिकेज आदि की सहायता के लिए यह पॉलिसी लाई जा रही है। इसमें कृषक हितों के कई प्रावधान रखे जा रहे हैं। एफपीओ को सशक्त बनाने के लिए राज्य सरकार कटिबद्धता से कार्य कर रही है। शासन सचिव ने बताया कि राज्य सरकार द्वारा बजट घोषणा में ''नॉलेज एन्हांसमेंट प्रोग्राम के अन्तर्गत प्रदेश में एफपीओ के 100 किसानों को विदेश भ्रमण और प्रशिक्षण की स्वीकृति प्रदान की है। वर्तमान सरकार की अभिनव पहल द्वारा राज्य सरकार कृषक उत्पादक संगठन (एफपीओ) के किसानों को उनकी क्षमता संवर्धन के दृष्टिगत कृषि एवं सम्बद्ध क्षेत्रों में आधुनिक तकनीकों के उपयोग के लिए निरंतर प्रोत्साहित कर रही है।

शासन सचिव ने बताया कि एफपीओ के किसान नीदरलैंड, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड और ब्राजील का भ्रमण करेंगे। एफपीओ के चयनित किसानों को नवंबर 2025 से मार्च 2026 तक चार बैचों में 7 दिवसीय विदेश भ्रमण कराया जाएगा। राज्य में अब तक बनाये गए 913 एफपीओ के किसानों में से ''नॉलेज एन्हांसमेंट प्रोगाम '' के अन्तर्गत एक्पोजर विजिट के लिये 100 एफपीओ के किसानो का चयन राज्य सरकार द्वारा निर्धारित मापदण्डों के अनुसार कार्यन्वयन एजेन्सियों द्वारा किया जाकर 30 अगस्त तक राजस्थान राज्य कृषि विपणन बोर्ड को सूची भिजवाई जायेगी।

जोराराम कुमावत ने सुने अभाव-अभियोग, अधिकारियों को दिए निस्तारण के निर्देश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। पशुपालन, गोपालन, डेयरी एवं देवस्थान विभाग के केबिनेट मंत्री जोराराम कुमावत ने शुक्रवार को अपने सरकारी आवास पर ग्रामीण क्षेत्रों से आए लोगों के अभाव अभियोग सुने। मंत्री कुमावत शुक्रवार को हरिद्वार से अपने निवास पहुंचे। केबिनेट मंत्री के आने की सूचना के साथ ही दूरदराज और ग्रामीण क्षेत्रों से लोग अपने अभाव अभियोग लेकर उनके निवास स्थान पहुंचे। इस दौरान ग्रामीण क्षेत्रों से आए लोगों ने अपने निजी और ग्रामीण क्षेत्रों की समस्याओं को मंत्री के सामने रखा। जिस पर मंत्री कुमावत ने ग्रामीणों की समस्याओं को सुन संबंधित विभागीय अधिकारियों को फोन पर सूचित कर समस्याओं का जल्द से जल्द निस्तारण करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि ग्रामीण क्षेत्रों की समस्याओं का जल्द से जल्द निस्तारण करें ताकि ग्रामीणों को मूलभूत सुविधाओं के लिए भटकना न पड़े। इसके साथ ही उन्होंने ग्रामीणों से अधिक से अधिक संख्या में सरकारी योजनाओं का लाभ उठाने की अपील की।

जनसुनवाई के दौरान सड़क, पानी, बिजली सहित तबादलों को लेकर लोगों ने अपनी पीड़ा मंत्री को बताई। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि पेयजल समस्या का निदान सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसके लिए करोड़ों रुपए की परियोजनाओं को सरकार ने मंजूर किया है। इस अवसर पर जन सुनवाई के दौरान लोगों की भीड़ लगी रही।

राष्ट्र की आत्मा होती है शिक्षा : दिलावर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। शिक्षा एवं पंचायतीराज मंत्री मदन दिलावर ने शुक्रवार को कहा कि शिक्षा किसी भी राष्ट्र की आत्मा होती है। उन्होंने कहा कि संस्कार, नैतिकता व मूल्य युक्त शिक्षा विद्यार्थियों को प्रदान करने से ही देश के जिम्मेदार नागरिक तैयार होंगे। वह शिक्षा विभाग की ओर से कुंभलगढ़ में आयोजित चिंतन बैठक के उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि शिक्षा विभाग निरंतर गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ ही सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध है।

उन्होंने कहा कि राजकीय विद्यालयों के विद्यार्थियों को शाला स्वास्थ्य परीक्षण के तहत स्वास्थ्य जांच करवाकर आवश्यकता अनुसार उपचार उपलब्ध करवाया गया।आधिकारिक बयान के अनुसार निदेशक (माध्यमिक एवं प्रारंभिक) सीताराम जाट ने कहा शिक्षा विभाग की ओर से गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के सशक्त प्रयास अनवरत किए जा रहे हैं और इसके लिए नए-नए नवाचार किए जा रहे हैं जिसमें सफलता भी प्राप्त हो रही है। मिड डे मील आयुक्त विश्वमोहन शर्मा ने कहा कि मिड डे मील योजना को सुचारू रूप से संचालित किया जा रहा है।

प्रेमचंद बैरवा ने परिवहन, उच्च शिक्षा एवं आयुष विभाग के कार्यों की समीक्षा कर दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा ने शुक्रवार को शासन सचिवालय में परिवहन, उच्च शिक्षा एवं आयुष विभाग के अधिकारियों की अलग-अलग बैठकें लेकर इन विभागों द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं, गत 2 राज्य बजटों में घोषित कार्यों की प्रगति व अन्य बिन्दुओं की समीक्षा कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। परिवहन विभाग की बैठक में डॉ. बैरवा ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार परिवहन सेवाओं को अधिक सुरक्षित, सुलभ और पारदर्शी बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि सड़क सुरक्षा उपायों को और सख्ती से लागू करें तथा परिवहन नियमों के उल्लंघन पर प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करें। उन्होंने इंटीग्रेटेड रोड एक्सीडेंट डेटा बेस, इलेक्ट्रॉनिक डिटेल्ड एक्सीडेंट रिपोर्ट तथा क्राइम एंड क्रिमिनल ट्रैकिंग नेटवर्क एंड सिस्टम के इंटीग्रेशन के माध्यम से सड़क हादसों की नियमित मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए।

डॉ. बैरवा ने ड्राइविंग टेस्ट ट्रैक्स के निर्माण कार्यों में तेजी लाकर निश्चित समय सीमा में पूरा करने के निर्देश दिए। उपमुख्यमंत्री ने बीकानेर स्थित इंस्टिट्यूट ऑफ ड्राइविंग ट्रेनिंग रिसर्च सेंटर की लंबित डीपीआर शीघ्र तैयार करने के निर्देश दिए। साथ ही झुंझुनू, बाड़मेर एवं पाली में ड्राइवर ट्रेनिंग सेंटर्स की स्थापना के लिए प्राप्त आवेदनों का परीक्षण शीघ्र पूरा करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि अपने कर्तव्यों की पालना में लापरवाही बरतने वाले राजकीय कार्मिक आमजन के कार्यों में बाधा उत्पन्न करते हैं, इसलिए जिन अधिकारियों के विरुद्ध जाँच प्रकरण लंबित हैं, उनका समय पर निस्तारण किया जाए।

बैठक में अधिकारियों ने बताया कि एनएचएआई की एम्बुलेंस सेवाओं का राज्य की 108 आपातकालीन सेवाओं से एकीकरण कार्य पूरा कर लिया गया है। आपातकालीन सेवाओं में सुधार के लिए नई 25 एडवांस लाइफ सपोर्ट एम्बुलेंस खरीदी गई हैं। प्रदेश के सभी राजकीय स्वास्थ्य केन्द्रों एवं अस्पतालों की जीआईएस मैपिंग का कार्य भी पूरा हो चुका है। इसके साथ ही राजस्थान वाहन स्क्रेपिंग नीति-2025 का प्रारूप तैयार कर प्रशासनिक स्वीकृति हेतु भेजा गया है। बैठक में यह भी बताया गया कि प्रदेश के 34 जिलों में ऑटोमेटेड ड्राइविंग टेस्ट ट्रैक का कार्य पूर्ण कर लिया गया है।

उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा ने आयुर्वेद, योग व प्राकृतिक चिकित्सा, यूनानी, सिद्धा एवं होम्योपैथी (आयुष) विभाग के कार्यों, योजनाओं की समीक्षा करते हुए प्रदेश के समस्त आयुष औषधालयों एवं चिकित्सालयों में गुणवत्तायुक्त दवाईयों की उपलब्धता सुनिश्चत करने के निर्देश दिए।

बिरला का कोटा-बूंदी ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट की मंजूरी के लिए जताया गया आभार

कोटा। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला का शुक्रवार को यहां उनके संसदीय क्षेत्र कोटा-बूंदी के लोगों ने उनसे मिलकर कोटा-बूंदी ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट को केन्द्र सरकार की मंजूरी एवं इसके लिए 1507 करोड़ रुपए स्वीकृत करने पर आभार जताया। बिरला शुक्रवार और शनिवार को कोटा और बूंदी जिले के प्रवास पर हैं और इसके पहले दिन कोटा में शक्तिनगर स्थित उनके कार्यालय पर कोटा-बूंदी से बड़ी संख्या में लोग उनसे मिलने पहुंचे और केन्द्रीय कैबिनेट की कोटा-बूंदी ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट के लिए 1507 करोड़ रुपए की राशि को स्वीकृति देने पर बिरला का आभार व्यक्त किया गया और खुशी जताई गई। इसके लिए सामाजिक और व्यापारिक संगठनों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार जताया।

अपनी जडो से जुडे रहें, यह राजस्थान हमारा है : देवनानी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा है कि सनातन है तो हम है और सनातन नहीं है तो हम भी नहीं होंगे। उन्होंने कहा कि जीवन्तता में भी जीवन है। विकृतियों का समाधान संस्कारों से होगा। समाज केवल ईमारतों और सडकों से ही नहीं बनता उसके लिए साथ ही मानवीय मूल्यों, सेवा और परम्पराएं भी जीवित रखने होते है। गोयनका ट्रस्ट द्वारा आयोजित सम्मान की परम्परा से उन विभूतियों को पहचान मिल रही है जिन्होंने अपने क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देकर समाज के लिए प्रेरणा स्त्रोत बने है। यह सम्मान व्यक्तियों के साथ उनके मूल्यों का है।

देवनानी ने दीप प्रज्ज्वलित कर समारोह का शुभारम्भ किया - देवनानी शुक्रवार को फतहपुर शेखावाटी में जमीनी स्तर पर सकारात्मक बदलाव लाने वाले गुमनाम नायकों को दिये जाने वाले गोयनका रिकग्निशन सम्मान समारोह को सम्बोधित कर रहे थे। देवनानी ने व्यापार, समाज सेवा, कला, विज्ञान, खेल कूद, शिक्षा, साहित्य, स्वास्थ्य आदि क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले गोयनका सामुदाय के शूरवीरों को पुरस्कार प्रदान किये। देवनानी ने दीप प्रज्ज्वलित कर समारोह का शुभारम्भ किया। समारोह में पहुँचने पर देवनानी का विशाल फूल माला

पहनाकर और शॉल ओढाकर अभिनन्दन किया गया।

गोयनका परिवार ने बढाया शेखावाटी की धरा का मान - देवनानी ने कहा कि गोयनका परिवार ने शेखावाटी की धरा को आगे बढाया है। उन्होंने कहा कि जन्म स्थली को कभी नहीं भूलना चाहिए। जो जडों से अलग हो जाते है, वे हरे-भरे नहीं रह पाते है। हम कहीं भी रहें यह राजस्थान हमारा है। व्यापार जीवन का अंग है। अपनी जन्म स्थली को सेवा के माध्यम से जब भी समय मिले उसके लिए कार्य करना चाहिए। यही हमारी संस्कृति और सामाजिक जिम्मेदारी हैं। देवनानी ने कहा कि राजस्थान की इस धरा ने शौर्य की गाथाएं दी है, सन्तों की वाणी दी है और व्यापारियों को निष्ठा दी है। गोयनका परिवार ने शेखावाटी की इस धरा की समृद्ध परम्परा को आगे बढाया है। जडों से जुडने की परम्परा भावी पीढियों के लिए बनेगी प्रेरणा का स्त्रोत - देवनानी ने गोयनका परिवार सहित पूरी आयोजन समिति का अभिनन्दन करते हुए कहा कि यह समारोह एक संस्कृति का उत्सव है। साथ ही यह गोयनका संगम पीढियों को जोडने वाला सेतु है।

आने वाली पीढियों के लिए यह परम्परा प्रेरणा और ऊर्जा का स्त्रोत रहेगी। सेवा उद्यम और संस्कृति की इस परम्परा से सामाजिक सेवा और मानव कल्याण को नई दिशा मिलेगी। मोदी के नेतृत्व में देश का सम्मान पूरे विश्व में बढा - देवनानी ने कहा कि 21वीं शताब्दी भारत की होगी, यह भविष्यवाणी अब प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में साकार हो रही है।

राष्ट्र का सम्मान पूरे विश्व में बढता ही जा रहा है। भारत को हर क्षेत्र में सफलता मिल रही है।

देवनानी ने सालासर बालाजी के दर्शन किए, प्रदेश की खुशहाली की कामना की- राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने शुक्रवार को सालासर धाम पहुँचकर बालाजी के दर्शन किए। देवनानी ने मंदिर में पूजा-अर्चना कर देश और प्रदेश की खुशहाली की कामना की। मंदिर पहुँचने पर प्रबंधकगण ने देवनानी का दुपट्टा और माला पहनाकर तथा स्मृति चिन्ह भेंट कर अभिनन्दन किया। देवनानी दिल्ली जाएंगे- राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी शनिवार को तीन दिवसीय यात्रा पर दिल्ली जाएंगे। देवनानी दिल्ली विधान सभा में आयोजित अखिल भारतीय विधान सभा अध्यक्षों के सम्मेलन में भाग लेंगे। देवनानी का सोमवार को सांय जयपुर लौटने का कार्यक्रम है।

मुख्यमंत्री ने जैसलमेर व बीकानेर में सोलर पार्क की स्थापना के लिए भूमि आवंटन को दी मंजूरी

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए जैसलमेर एवं बीकानेर जिले में अक्षय ऊर्जा आधारित उत्पादन इकाइयों की स्थापना के लिए भूमि आवंटन के प्रस्तावों को स्वीकृति प्रदान की है। प्रस्ताव के अनुसार, जैसलमेर जिले की रामगढ़ तहसील में 5000 मेगावाट क्षमता के सोलर पार्क की स्थापना के लिए कुल 6771.86 हैक्टेयर भूमि एवं 2700 मेगावाट सोलर पार्क के लिए 5113.99 हैक्टेयर भूमि के आवंटन को स्वीकृति दी गई है। वहीं, फतेहगढ़ तहसील में 12500 मेगावाट सोलर पार्क के लिए 14026.87 हैक्टेयर भूमि एवं 6200 मेगावाट सोलर पार्क के लिए 8582.42 हैक्टेयर भूमि के आवंटन को स्वीकृति प्रदान की गई है।

इसी तरह, बीकानेर जिले की पूगल तहसील के दीनसर व बराला गांव में 393.04 हैक्टेयर भूमि आवंटित किए जाने की स्वीकृति प्रदान की गई है। वहीं, बीकानेर तहसील के गांव सवाईसर, बज्जू तहसील के गांव बिकोलाई तथा पूगल तहसील के गांव करणीसर भाटियान में कुल 2320.46 हैक्टेयर भूमि के आवंटन को स्वीकृति दी गई है।

ईडी ने धन शोधन मामले में झारखंड के पूर्व मंत्री के बेटे, छह अन्य के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किया

नई दिल्ली/भाषा। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शुक्रवार को कहा कि उसने झारखंड के पूर्व मंत्री योगेंद्र साव के बेटे अंकित राज और छह अन्य के खिलाफ कथित अवैध रेत खनन से जुड़े धन शोधन के एक मामले में आरोपपत्र दाखिल किया है। अभियोजन पक्ष की शिकायत बृहस्पतिवार को रांची में धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) संबंधी एक विशेष अदालत में दाखिल की गई।

ईडी ने एक बयान में कहा कि आरोप पत्र में नामजद अन्य आरोपियों में मनोज कुमार अग्रवाल, पंचम कुमार, संजीव कुमार, मनोज प्रसाद दांगी, अनिल कुमार और बिंदेश्वर कुमार दांगी हैं। कांग्रेस नेता साव झारखंड के पूर्व कृषि मंत्री हैं। धन शोधन का यह मामला झारखंड पुलिस द्वारा साव, उनके परिवार और उनके सहयोगियों के खिलाफ दर्ज की गई 16 प्राथमिकियों पर आधारित है। ईडी ने कहा कि इन अपराधों में जबरन वसूली, अवैध रेत खनन, सरकारी काम में बाधा डालना और 'झारखंड टाइगर ग्रुप' नामक गैरकानूनी संगठन का संचालन जैसी कई आपराधिक गतिविधियां शामिल हैं। ईडी ने आरोप लगाया कि अंकित राज एक व्यवस्थित और बहुस्तरीय अवैध रेत खनन सिंडिकेट के मास्टरमाइंड थे, जिन्होंने अपराध से काफी कमाई की। एजेंसी के अनुसार जांच में पाया गया कि अंकित राज ने अपने सहयोगियों के साथ मिलकर, 2019 में अपने खनन लाइसेंस की अवधि समाप्त होने के लंबे समय बाद भी, दामोदर एवं इसकी सहायक नदियों से अवैध रूप से रेत निकालना और बेचना जारी रखा। ईडी ने कहा, सिंडिकेट ने अवैध मुनाफे को सफेद करने के लिए एक परिष्कृत कार्यप्रणाली अपनाई। इसमें अवैध रूप से खनन की गई रेत को अपने सहयोगियों के लाइसेंस प्राप्त यार्ड में वैध स्टॉक के साथ मिलाकर छिपाना, चोरी के माध्यम से अपराध की आय अर्जित करना और नकदी जमा और वित्तीय लेनदेन के एक जटिल नेटवर्क के माध्यम से अवैध धन को सफेद करना शामिल था। ईडी की जांच के अनुसार, कथित रेत खनन सिंडिकेट ने अपराध से 3.12 करोड़ रुपए की आय अर्जित की। एजेंसी ने अपनी जांच के तहत अंकित राज की 28 अचल संपत्तियों और दो सावधि जमा राशि सहित 3.02 करोड़ रुपए की संपत्तियां कुर्क की हैं। ईडी ने पिछले साल मार्च और जुलाई में इस मामले के सिलसिले में तलाशी ली थी।

जनता तय करेगी कि कांग्रेस सत्ता में लौटेगी या नहीं : ओकराम इबोबी सिंह

इंफाल/भाषा। मणिपुर कांग्रेस विधायक दल के नेता ओकराम इबोबी सिंह ने शुक्रवार को कहा कि देश के किसी भी हिस्से में कांग्रेस की सत्ता में वापसी होगी या नहीं, इसका फैसला जनता करेगी, न कि भाजपा के चंद नेता और कार्यकर्ता। सिंह ने यह बयान इंफाल में स्थित कांग्रेस भवन में पूर्व मुख्यमंत्री रिशांग कीशिंग की नौवीं पुण्यतिथि के अवसर पर दिया। भाजपा के कांग्रेस मुक्त भारत अभियान पर मीडिया के सवालों का जवाब देते हुए, सिंह ने संवाददाताओं से कहा, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता वाले एक लोकतांत्रिक देश में भाजपा समेत कोई भी, जो चाहे कह सकता है। हालांकि, भाजपा यह तय नहीं कर सकती कि कांग्रेस सत्ता में वापसी करेगी या नहीं। मणिपुर या देश के किसी अन्य हिस्से में हमारी सत्ता में वापसी होगी या नहीं, इसका फैसला जनता को करना है, न कि चंद भाजपा नेताओं को। तीन बार मुख्यमंत्री रह चुके सिंह ने कहा, पिछले संसदीय चुनावों के दौरान कांग्रेस ने राज्य की दोनों लोकसभा सीट जीती थीं। यह जीत जनता ने दिलाई थी, भाजपा ने नहीं। भाजपा को यह नहीं भूलना चाहिए।

भाजपा ने सत्ता का दुरुपयोग कर वोटों की डकैती की है:अखिलेश यादव

लखनऊ/भाषा। समाजवादी पार्टी (सपा) के प्रमुख अखिलेश यादव ने शुक्रवार को आरोप लगाया है कि भाजपा ने सत्ता का दुरुपयोग कर वोटों की डकैती की है। पार्टी द्वारा जारी बयान के मुताबिक यहां सपा के प्रदेश मुख्यालय में विभिन्न जिलों से आये नेताओं और कार्यकर्ताओं को सम्बोधित करते हुए यादव ने कहा,''भाजपा गरीबों का वोट कटवा रही है।

समाजवादी पार्टी ने 2022 में गलत तरीके से काटे गए वोटों को लेकर आवाज उठायी तो निर्वाचन आयोग ने नोटिस भेज दिया था। उन्होंने कहा कि सपा ने मतदाता सूची से हटाये गए 18 हजार मतदाताओं की सूची शपथ पत्र के साथ निर्वाचन आयोग को भेजी थी लेकिन उसने कोई कार्रवाई नहीं की। जब वोट चोरी और वोट काटने का मामला उठा तो मुख्य चुनाव आयुक्त ने कह दिया कि कोई हलफनामा नहीं मिला जबकि सपा के पास हर हलफनामे की रसीद है। यादव ने कहा, भाजपा की सच्चाई जनता के सामने आ चुकी है। जनता भाजपा को सत्ता से हटाने के लिए कटिबद्ध है। गरीब जनता भाजपा को हटायेगी। उप्र में भाजपा सरकार में भ्रष्टाचार और लूट चरम पर है। किसानों को खाद नहीं मिल रही है। खाद का बड़ा घोटाला है। खाद के लिए महिलाओं को भी लाइन लगानी पड़ रही है। भाजपा सरकार खाद नहीं दे पा रही है। वह लाठियां बरसा रही है। पूर्व मुख्यमंत्री यादव ने कहा कि जल जीवन मिशन में बजट का जमकर बंदरबांट हुआ जिसके फलस्वरूप पानी की टंकियां लगातार गिर रही हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने बिहार में 13,000 करोड़ रुपए से अधिक की परियोजनाओं की शुरुआत की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गयाजी/बेगूसराय (बिहार)/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को बिहार के गयाजी और बेगूसराय जिलों से 13,000 करोड़ रुपए से अधिक की कई विकास परियोजनाओं की शुरुआत की। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

मोदी ने लगभग 6,880 करोड़ रुपए की लागत से निर्मित 600 मेगावाट के बक्सर ताप ऊर्जा संयंत्र और 1,870 करोड़ रुपए से अधिक की लागत से गंगा नदी पर निर्मित 1.86 किलोमीटर लंबे औंटा-सिमरिया पुल का उद्घाटन किया, जो पटना जिले के मोकामा को बेगूसराय से जोड़ता है। औंटा-सिमरिया पुल का उद्घाटन करने के बाद प्रधानमंत्री पुल पर खड़े हुए और अपना गमछा लहराकर लोगों का अभिवादन किया।

प्रधानमंत्री ने दो ट्रेनों को भी हरी झंडी दिखाई, जिनमें गयाजी और दिल्ली के बीच अमृत भारत एक्सप्रेस और वैशाली तथा कोडरमा के बीच बौद्ध सर्किट ट्रेन शामिल हैं। यह ट्रेन क्षेत्र के प्रमुख बौद्ध स्थलों पर पर्यटन और तीर्थयात्रा को बढ़ावा देगी। अधिकारियों ने कहा कि बक्सर ताप ऊर्जा संयंत्र से बिजली उत्पादन क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी, ऊर्जा सुरक्षा में सुधार होगा और क्षेत्र की बढ़ती बिजली की मांग पूरी होगी।

इस मौके पर बिहार के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और कई केंद्रीय मंत्री, राज्य मंत्री, सांसद और विधायक भी उपस्थित थे। प्रधानमंत्री ने मुजफ्फरपुर में होमी भाभा कैंसर अस्पताल एवं अनुसंधान केंद्र का भी उद्घाटन किया। अधिकारियों के अनुसार, इस केंद्र में उन्नत ऑन्कोलॉजी ओपीडी, आईपीडी वार्ड, ऑपरेशन थिएटर, आधुनिक प्रयोगशाला, ब्लड बैंक और 24 बिस्तरों वाली गहन चिकित्सा इकाई (आईसीयू) शामिल हैं।

उन्होंने बताया कि इस केंद्र से बिहार और पड़ोसी राज्यों के मरीजों को उन्नत और किफायती कैंसर देखभाल मिलेगी, जिससे इलाज के लिए दूर-दराज के महानगरों में जाने की आवश्यकता कम हो जाएगी।

बंगाल : प्रधानमंत्री ने छह लेन वाले एलिवेटेड कोना एक्सप्रेसवे का शिलान्यास किया,तीन मेट्रो मार्ग का उद्घाटन किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को पश्चिम बंगाल के हावड़ा जिले में 1,200 करोड़ रुपए की लागत से बनने वाले 7.2 किलोमीटर लंबे छह लेन वाले एलिवेटेड कोना एक्सप्रेसवे की आधारशिला रखी और कोलकाता में तीन नए मेट्रो मार्ग का उद्घाटन किया।

अधिकारियों ने बताया कि इससे हावड़ा, उसके आसपास के ग्रामीण इलाकों और कोलकाता के बीच संपर्क बढ़ेगा, जिससे यात्रा का समय बचेगा और क्षेत्र में व्यापार, वाणिज्य और पर्यटन को काफी बढ़ावा मिलेगा। इससे पहले, दिन में प्रधानमंत्री ने ग्रीन, येलो और ऑरेंज लाइनों पर 13.61 किलोमीटर लंबी तीन नई मेट्रो सेवाओं को हरी झंडी दिखाई, जिसे अधिकारियों ने 1984 में शुरू हुई शहर की मेट्रो यात्रा में एक 'निर्णायक क्षण' करार दिया। मोदी ने कहा, यह गर्व की बात है कि भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा मेट्रो नेटवर्क है। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2014 से पहले देश में केवल 250 किलोमीटर लंबा मेट्रो मार्ग था। लेकिन आज यह आंकड़ा 1,000 किलोमीटर से अधिक हो गया है।

बंगाल दौरे पर आए प्रधानमंत्री मोदी से तृणमूल ने पूछा,

इतनी हड़बड़ी में क्यों लाये गए 'विधेयक'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। तृणमूल कांग्रेस ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को जवाब देना चाहिए कि प्रधानमंत्री, राज्यों एवं केंद्रशासित प्रदेशों के मुख्यमंत्रियों और मंत्रियों को गंभीर आपराधिक आरोपों में गिरफ्तारी के बाद 30 दिन तक लगातार हिरासत में रखे जाने पर पद से हटाने के प्रावधान वाले विधेयक लाने में इतनी हड़बड़ी क्यों दिखाई। तृणमूल ने पश्चिम बंगाल के बकाये को लेकर केंद्र में सत्तारूढ़ राजग सरकार की आलोचना की और बांग्लाभाषी प्रवासियों व भाषा को लेकर भेदभाव करने का आरोप लगाया।

प्रधानमंत्री मोदी शुक्रवार को प. बंगाल के दौरे पर पहुंचे जहां उन्होंने तीन महत्वपूर्ण मेट्रो लाइनों सहित 5,200 करोड़ रुपए की बुनियादी ढांचा परियोजनाओं का उद्घाटन किया। वह एक जनसभा को भी संबोधित करेंगे। तृणमूल कांग्रेस की लोकसभा सांसद महुआ मोइत्रा ने एक वीडियो जारी कर कहा कि प्रधानमंत्री 'चुनावी मौसम' में एक 'प्रवासी पक्षी' की तरह राज्य में आ रहे हैं। मोइत्रा ने कहा, अब जबकि चुनावी मौसम आ गया है आप (नरेन्द्र मोदी) बिहार जा रहे हैं और अब प्रवासी पक्षी की तरह बंगाल भी आ गए हैं लेकिन फिर भी हम आपका स्वागत करते हैं और हमारे पास आपके लिए पांच सवाल हैं, मोदीजी। तृणमूल नेता ने कहा कि प्रधानमंत्री को कुछ सवालों के जवाब देने चाहिए, पहला सवाल यह है कि गंभीर आरोपों में 30 दिनों से ज्यादा समय तक हिरासत में रहने वाले प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्रियों और मंत्रियों को हटाने के लिए विधेयक लाने की क्या जरूरत थी? मोइत्रा ने कहा, आप (प्रधानमंत्री मोदी) संसद (मानसून सत्र) के अंतिम पूर्व दिन इतनी हड़बड़ी में एक संविधान संशोधन विधेयक लेकर आए। आपके पास इस विधेयक को लाने का नैतिक अधिकार क्या है, जब यह मूल रूप से विपक्ष शासित राज्यों की सरकारों को बिना किसी दोषसिद्धि और बिना किसी मुकदमे के सत्ता से बेदखल करने का माध्यम बन सकता है?

सत्ता की भूख मिटाने के लिए बंगाल में घुसपैठ को बढ़ावा दे रही तृणमूल : मोदी

कोलकाता/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पश्चिम बंगाल में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस पर शुक्रवार को कड़ा प्रहार करते हुए उस पर अपनी सत्ता की भूख मिटाने के लिए घुसपैठ को बढ़ावा देने का आरोप लगाया। उत्तर 24 परगना के दमदम इलाके में एक रैली को संबोधित करते हुए, मोदी ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत केंद्र सरकार ने घुसपैठियों के खिलाफ एक बड़ा अभियान शुरू किया है, जो पश्चिम बंगाल की जनसांख्यिकी बदल रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया, यह देश अब घुसपैठियों को बर्दाश्त नहीं कर सकता। हम उन्हें भारत में नहीं रहने देंगे, इसीलिए हमारी सरकार ने घुसपैठियों के खिलाफ इतना बड़ा अभियान चलाया है। मुझे आश्चर्य है कि तृणमूल कांग्रेस और कांग्रेस समेत कुछ राजनीतिक दल तुष्टिकरण की राजनीति के आगे झुक गए हैं। सत्ता की भूख में ये दल घुसपैठ को बढ़ावा दे रहे हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा, यह सुनिश्चित करने के लिए कि घुसपैठिए बंगाल और देश छोड़कर चले जाएं, तृणमूल कांग्रेस सरकार को जाना होगा। केवल आपका वोट ही यह सुनिश्चित कर सकता है कि इन घुसपैठियों को देश से बाहर खदेड़ा जाए। सीमावर्ती राज्य पश्चिम बंगाल को विशेष रूप से असुरक्षित बताते हुए, मोदी ने कहा कि घुसपैठिए अर्थव्यवस्था पर दबाव डाल रहे हैं और हमारी माताओं और बहनों पर अत्याचार कर रहे हैं। प्रधानमंत्री ने तृणमूल कांग्रेस पर बंगाल में विकास में बाधा डालने का भी आरोप लगाते हुए कहा कि भाजपा के पास राज्य के विकास के लिए एक ठोस खाका है।

मिजोरम, असम विवादित सीमा क्षेत्रों में यथास्थिति बनाये रखने पर सहमत : लालदुहोमा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

आइजोल/भाषा। मिजोरम के मुख्यमंत्री लालदुहोमा ने शुक्रवार को कहा कि अंतर-राज्यीय सीमा पर हालिया तनाव उत्पन्न होने के बाद उनका राज्य और असम विवादित सीमा क्षेत्रों में यथास्थिति बनाए रखने पर सहमत हो गए हैं।

मुख्यमंत्री ने मिजोरम पुलिस सेवा संघ (एमपीएसए) के एक सम्मेलन में कहा कि अंतर-राज्यीय सीमा पर हाल की घटना के बाद उन्होंने असम के अपने समकक्ष हिमंत विश्व शर्मा से बात की है। मुख्यमंत्री ने कहा, हम अंतर-राज्यीय सीमा पर विवादित क्षेत्रों में यथास्थिति का सम्मान करने और उसे बनाए रखने पर सहमत हुए हैं, जिस पर हम पहले भी चर्चा कर चुके हैं। असम के पुलिस कर्मियों और वन विभाग के अधिकारियों ने पश्चिमी मिजोरम के मामित जिले के सैखौथलिर गांव में 15 अगस्त को कथित तौर पर प्रवेश किया तथा स्थानीय लोगों द्वारा उगाये जा रहे रबर के करीब 290 पौधों को नुकसान पहुंचाया। इस घटना से अंतर-राज्यीय सीमा पर तनाव पैदा हो गया है। मिजोरम के अधिकारियों ने बताया कि यह पौधारोपण मुख्यमंत्री के रबर मिशन के तहत किया गया था और इसका प्रबंधन राज्य के भूमि संसाधन, मृदा एवं जल संरक्षण विभाग द्वारा किया जा रहा है। घटना के बाद, मिजोरम के मामित और असम के हैलाकांडी जिलों के उपायुक्तों और पुलिस प्रमुखों ने एक महत्वपूर्ण बैठक की।

महिलाओं की भागीदारी को प्रोत्साहित करने के लिए हम नीतियों को मजबूत कर रहे हैं: राजनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शुक्रवार को कहा कि सशस्त्र बलों और शांति सेना में महिलाओं की भागीदारी को प्रोत्साहित करने के लिए ''हम नीतियों को मजबूत कर रहे हैं' ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि उन्हें नेतृत्व और सेवा करने के समान अवसर मिलें।

सिंह ने यह बात भारत के साथ-साथ 15 देशों की महिला अधिकारियों के साथ बातचीत के दौरान कही, जो यहां आयोजित लगभग दो सप्ताह लंबे संयुक्त राष्ट्र महिला सैन्य अधिकारी पाठ्यक्रम (यूएनडब्ल्यूएमओसी-2025) में भाग ले रही हैं।

रक्षा मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि रक्षा मंत्रालय और विदेश मंत्रालय के तत्वावधान में संयुक्त राष्ट्र शांति स्थापना केंद्र द्वारा 18-29 अगस्त, 2025 तक आयोजित इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य बहुआयामी संयुक्त राष्ट्र मिशनों में प्रभावी भागीदारी के लिए महिला सैन्य अधिकारियों की पेशेवर क्षमता का निर्माण करना है। रक्षा मंत्री ने 'साउथ ब्लॉक' में अधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि संयुक्त राष्ट्र शांति अभियानों में सबसे बड़े योगदानकर्ता के रूप में, भारत महिलाओं की भागीदारी और इन अभियानों में उनके शामिल होने का प्रबल समर्थक रहा है'' और यूएनडब्ल्यूएमओसी जैसी योजनाओं के माध्यम से, यह महिला अधिकारियों को प्रतिकूल परिस्थितियों में शांति स्थापना हेतु अनुकूल वातावरण बनाने के लिए तैयार करता है।

सिंह ने कहा, हम अपने सशस्त्र बलों और शांति सेना टुकड़ियों में महिलाओं की भागीदारी को प्रोत्साहित करने के लिए नीतियों को मजबूत कर रहे हैं, जिससे यह सुनिश्चित हो कि उन्हें नेतृत्व और सेवा के समान अवसर मिलें।

बयान में सिंह के हवाले से कहा गया, हम लैंगिक समानता और समावेशी नेतृत्व को बढ़ावा देने और एक ऐसा विश्व बनाने के लिए संयुक्त राष्ट्र और सैन्य योगदान देने वाले देशों के साथ काम करना जारी रखेंगे, जहां शांति न केवल कायम रहे, बल्कि विविधता और समानता के माध्यम से फलती-फूलती रहे।

मिजोरम में 75 करोड़ रुपए मूल्य के मादक पदार्थ जब्त, आठ लोग गिरफ्तार

आइजोल/भाषा। मिजोरम में सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ), स्वापक नियंत्रण ब्यूरो (एनसीबी) और राज्य आबकारी एवं नारकोटिक्स विभाग के एक विशेष संयुक्त अभियान में 75 करोड़ रुपए से अधिक मूल्य की मेथामफेटामीन टैबलेट और हेरोइन जब्त की गई तथा आठ लोगों को गिरफ्तार किया गया। बीएसफ ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।

बीएसएफ ने एक बयान में बताया कि बल द्वारा जुटाई गई खुफिया सूचना के आधार पर विशेष अभियान की योजना बनाई गई और बृहस्पतिवार को यह अभियान चलाया गया।

बयान के मुताबिक, संयुक्त टीम ने आइजोल से लगभग 60 किलोमीटर दूर केइफांग और सेलिंग गांवों के बीच आइजोल-चंफाई राजमार्ग (एनएच-6) पर चार संदिग्ध वाहनों को रोका।

बयान में कहा गया है कि तलाशी के दौरान तीन प्लास्टिक बैग जब्त किए गए, जिनमें 50 पैकेट में लगभग 50 किलोग्राम (पांच लाख टैबलेट) मेथामफेटामीन थी। इसके अलावा, साबुन के तीन डिब्बे मिले, जिनमें 36 ग्राम हेरोइन थी।

त्रिपुरा में चलती गाड़ी में लड़की से सामूहिक बलात्कार, दो गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अगरतला/भाषा। त्रिपुरा के गोमती जिले में उदयपुर रेलवे स्टेशन के पास एक लड़की के साथ उसके दो साथियों ने चलती गाड़ी में सामूहिक बलात्कार किया। पुलिस ने शुक्रवार को यह कहा।

पुलिस ने बताया कि दोनों आरोपियों की पहचान महारानी निवासी मिथुन देबनाथ (24) और बोवर देबबर्मा (24) के रूप में हुई है और उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया है। आरके पुर महिला थाने की प्रभारी निभा सिन्हा ने बताया, लड़की बृहस्पतिवार शाम अपने दो पड़ोसियों के साथ त्रिपुरेश्वरी मंदिर गई थी। मंदिर में दर्शन के बाद दो लड़के उसे कार में उदयपुर रेलवे स्टेशन ले गए। रास्ते में मिथुन और बोवर ने चलती गाड़ी में उसके साथ बलात्कार किया। सिन्हा ने बताया कि तीनों को पहले उदयपुर उपमंडल के काकराबान चेकगेट पर उस समय हिरासत में लिया गया जब वे रात करीब 10 बजे लौट रहे थे। उन्होंने बताया, पूछने पर लड़की ने बताया कि उसके दो साथियों ने उसके साथ बलात्कार किया है। इसके बाद हम उन्हें पूछताछ के लिए थाने ले आए।

शुक्रवार को पीड़ित परिवार की शिकायत के बाद दोनों युवकों को घटना में कथित संलिप्तता के लिए गिरफ्तार कर लिया गया। उन्होंने कहा, एक फॉरेंसिक टीम ने उस वाहन की जांच की है जिसमें लड़की के साथ बलात्कार हुआ था।

लोकतंत्र निर्वाचन आयोग के 'क्रूर हमले' से बच गया : कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के मुद्दे पर उच्चतम न्यायालय के निर्देश का स्वागत करते हुए शुक्रवार को कहा कि लोकतंत्र निर्वाचन आयोग (ईसीआई) के क्रूर हमले से बच गया है। पार्टी ने दावा किया कि आयोग पूरी तरह से बेनकाब और बदनाम हो गया है।

कांग्रेस ने कहा कि उसे उम्मीद है कि शीर्ष अदालत का यह कठोर आदेश अंततः निर्वाचन आयोग के अहंकार को तोड़ देगा और वोट चुराने एवं जवाबदेही से बचने के उसके नापाक प्रयासों पर लगाम लगाएगा।

पार्टी की यह प्रतिक्रिया उच्चतम न्यायालय की ओर से निर्वाचन आयोग को यह निर्देश दिए जाने के बाद आई है कि वह बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण में हटाए गए मतदाताओं को भौतिक रूप से दावा पेश करने के अलावा ऑनलाइन माध्यम से दावे प्रस्तुत करने की अनुमति दे। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने आधार कार्ड नंबर और एसआईआर में स्वीकार्य 11 दस्तावेजों में से किसी एक के साथ दावा प्रपत्र जमा करने की अनुमति दी। पीठ ने मतदाता सूची से 65 लाख मतदाताओं के नाम हटाने के संबंध में आपत्तियां दर्ज कराने में राजनीतिक दलों के आगे नहीं आने पर आश्चर्य जताया और बिहार के मुख्य निर्वाचन अधिकारी को उन्हें अदालती कार्यवाही में पक्षकार बनाने का निर्देश दिया। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि पार्टी बिहार में एसआईआर के मुद्दे पर उच्चतम न्यायालय के निर्देश का स्वागत करती है। उन्होंने दावा किया, लोकतंत्र निर्वाचन आयोग के क्रूर हमले से बच गया है। रमेश ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि 14 अगस्त को उच्चतम न्यायालय ने हस्तक्षेप करते हुए निर्वाचन आयोग के उस निर्णय को रद्द कर दिया था, जिसमें उसने हटाए गए मतदाताओं की सूची साझा करने से इनकार किया था। उन्होंने कहा कि शीर्ष अदालत ने निर्देश दिया था कि हटाए गए मतदाताओं की सूची कारणों सहित प्रकाशित की जाए। कांग्रेस नेता ने कहा कि 14 अगस्त को ही न्यायालय ने यह भी निर्देश दिया था कि जिन मतदाताओं के नाम हटाए गए हैं, उनके लिए आधार कार्ड को पहचान प्रमाण पत्र के रूप में स्वीकार किया जाए। उन्होंने कहा कि आज शीर्ष अदालत ने एक बार फिर स्पष्ट किया है कि आधार एक मान्य पहचान पत्र है, जिसे निर्वाचन आयोग को अनिवार्य रूप से स्वीकार करना होगा।

सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में एशिया कप जीत सकता है भारत : वीरेंद्र सहवाग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत के पूर्व सलामी बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग ने कहा कि सूर्यकुमार यादव के निर्भिक नेतृत्व में मौजूदा टी20 अंतरराष्ट्रीय टीम आगामी एशिया कप जीत सकती है।

यह महाद्वीपीय टूर्नामेंट नौ से 28 सितंबर तक संयुक्त अरब अमीरात में आयोजित किया जाएगा।

टी20 प्रारूप के इस टूर्नामेंट का 2016 में पहला संस्करण जीतने वाली भारतीय टीम को ग्रुप ए में पारंपरिक प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान, ओमान और मेजबान संयुक्त अरब अमीरात के साथ रखा गया है। ग्रुप बी में श्रीलंका, हांगकांग, अफगानिस्तान और बांग्लादेश शामिल हैं।

सहवाग ने आगामी टूर्नामेंट के प्रसारणकर्ता सोनी स्पोर्ट्स नेटवर्क के 'रग रग में भारत' अभियान के मौके पर कहा, इस भारतीय टीम में युवा और अनुभवी खिलाड़ियों का सही मिश्रण है। और सूर्यकुमार के निर्भिक नेतृत्व में टीम एक बार फिर एशिया में अपना दबदबा बना सकती है। उनकी आक्रामक मानसिकता टी20 प्रारूप के लिए बिल्कुल उपयुक्त है और अगर टीम इसी इरादे से खेलती है तो इसमें कोई शक नहीं है कि भारत ट्रॉफी जीत सकता है। उन्होंने कहा, यह (रग रग में भारत) अभियान भारतीय क्रिकेट की धड़कन को खूबसूरती से जीवंत करता है। आप देश के किसी भी हिस्से से हों, जब भारत खेलता है तो भावनाएं हमें एकजुट करती हैं। मैं इसमें भी यही जुनून महसूस कर सकता हूं और यही जुड़ाव क्रिकेट को इतना ताकतवर बनाता है। सूर्यकुमार एशिया कप में 15 सदस्यीय भारतीय टीम की अगुवाई करेंगे जबकि टेस्ट कप्तान शुभमन गिल उनके उप कप्तान होंगे। एशिया कप के सभी मैच दो स्थान दुबई और अबुधाबी में आयोजित किए जाएंगे।

सुविचार

दुनिया में तुम्हें कोई उस वक्त तक नहीं हरा सकता, जब तक तुम हिम्मत ना हार जाओ।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

श्वानः पहरेदार न बने परेशानी

उच्चतम न्यायालय ने दिल्ली-एनसीआर में आवारा श्वानों से जुड़े एक मामले में संशोधित निर्देश देकर पशु कल्याण का ध्यान रखा है। समाज में मनुष्य के साथ श्वानों को भी जीवन जीने का अधिकार है। ये प्राचीन काल से ही मनुष्य के मित्र रहे हैं। हमारे ग्रंथों में ऐसे कई प्रसंग मिलते हैं, जिनमें श्वानों का महत्त्व बताया गया है। अच्छे विद्यार्थी की कई विशेषताओं में से एक विशेषता 'श्वान निद्रा' है। श्वानों की सूंघने की क्षमता गजब की होती है। ये हमारे देश की सुरक्षा में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। ये गांव-मोहल्ले के पहरेदार कहलाते हैं, क्योंकि जैसे ही कोई अजनबी शख्स आता है, (श्वान) सबको सूचित कर देते हैं। आज भी गांवों के घर-घर में श्वान के लिए रोटी बनाने की परंपरा है। वह सुबह-शाम आता है, रोटी खाता है और चुपचाप चला जाता है। न किसी से शिकायत, न कोई फरमाइश। जिन गांवों में श्वान स्वतंत्र घूमते हैं, उनके निवासी रात को चैन की नींद सोते हैं, क्योंकि किसी भी चोर की हिम्मत नहीं होती कि वहां कदम रख सके। श्वान को किसान का साथी यूं ही नहीं कहा जाता। वह हर मौसम में उसके साथ रहकर खेत की रखवाली करता है। ऐसे में श्वानों को हमारे समाज से पूरी तरह अलग नहीं किया जा सकता। इसके कई गंभीर नतीजे हो सकते हैं। हां, उनके भोजन, स्वास्थ्य, आश्रय आदि की ओर ध्यान देना चाहिए। शहरों के जिन इलाकों में आवारा श्वानों की संख्या काफी बढ़ गई है, वहां वैज्ञानिक तरीके से इनका बंध्याकरण और टीकाकरण होना चाहिए। उच्चतम न्यायालय ने अपने निर्देशों में इस बिंदु का उल्लेख किया है।

कुछ श्वानों का व्यवहार काफी आक्रामक होता है। इसके पीछे कई वजह हो सकती हैं, लेकिन यह प्रवृत्ति बहुत लोगों को नुकसान पहुंचा चुकी है। यहां तक कि कुछ लोग तो जान गंवा चुके हैं। प्राय: लोग शिकायत करते हैं कि जब वे सुबह सैर करने के लिए निकलते हैं तो उन्हें आवारा श्वान घेर लेते हैं। अक्टूबर 2023 में अहमदाबाद में एक मशहूर कंपनी के मालिक जब सैर करने निकले तो आवारा श्वानों के एक झुंड ने उन पर हमला बोल दिया था। वे जान बचाने के लिए भागे और फिसलकर गिर गए थे। इससे उनके सिर में गंभीर चोट आई और उनकी मौत हो गई। लोग अपने दफ्तर जाते हैं तो आवारा श्वान उनके वाहनों का पीछा करते हैं। उस समय दोपहिया वाहन चालकों को ज्यादा खतरा होता है। श्वान उनके पीछे सरपट दौड़ लगाते हैं और पांव को काट खाने की कोशिश करते हैं। इससे दुर्घटना की आशंका होती है। यह किसी एक शहर की समस्या नहीं है। हर शहर में ऐसे दृश्य देखने को मिल जाएंगे। इससे आवारा श्वानों की आबादी नियंत्रित करने की सख्त जरूरत महसूस होती है। उच्चतम न्यायालय द्वारा दिया गया यह निर्देश लोगों और श्वानों, दोनों की सुरक्षा के लिए उचित है कि 'ऐसे विशेष भोजन क्षेत्र बनाए जाएं, जहां लोग आवारा श्वानों को खाना खिला सकें।' कई लोग सड़कों और सार्वजनिक स्थानों पर इन्हें खाना खिलाते हैं। उनके मन में दया और करुणा की भावना हो सकती है, लेकिन इससे कुछ समस्याएं भी पैदा होती हैं। उन इलाकों से जब अन्य लोग आते-जाते हैं और श्वानों को खाना नहीं खिलाते तो वे उनका पीछा करने लगते हैं। कुछ श्वान तो हमला कर देते हैं। विशेष भोजन क्षेत्र बनाने से इस समस्या का समाधान हो सकता है। श्वानों से लगाव रखना, उनके कल्याण का ध्यान रखना अच्छी बात है। बदलते परिवेश के साथ ऐसे तौर-तरीकों को अपनाना भी जरूरी है, जिनसे मनुष्य और श्वान, दोनों अधिक सुरक्षित महसूस करें।

ट्वीटर टॉक

निश्चित रूप से आतंकवाद समाप्त हो सकता है... इतना तो संभव है कि आतंकवाद के खिलाफ मजबूत इकोसिस्टम खड़ा कर इसे शून्य तक लाया जा सकता है। अगर कहीं एक-दो घटनाएं भी होंगी तो वह सीरीज ऑफ इंसीडेंट्स में नहीं बदलेंगी और उन एक-दो घटनाओं को भी हम समाप्त करेंगे।

-अमित शाह

संविधान निर्माता डॉ. भीमराव आंबेडकर को अपनी प्रतिभा के कारण उन्हें विदेशी कॉलेजों में एडमिशन मिल गए परन्तु आर्थिक स्थिति समृद्ध न होने के कारण वो जा नहीं सकते थे। तब बड़ौदा के राजपरिवार ने उन्हें स्कॉलरशिप दी जिससे वो अमेरिका पढ़ाई करने गए।

-अशोक गहलोत

इस वर्ष हुई अच्छी वर्षा के दृष्टिगत भरपूर फसल उत्पादन सुनिश्चित करने की दिशा में उपस्थित अधिकारियों को प्रदेश के किसानों के लिए खाद एवं बीज की पर्याप्त उपलब्धता समय पर सुनिश्चित करने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए।

-भजनलाल शर्मा

प्रेरक प्रसंग

नेता जी की अटूट राष्ट्रभक्ति

एक बार बंगाल के कुछ युवकों ने कलकत्ता में एक नाटक का आयोजन किया। नाटक के दर्शकों में नेताजी सुभाष चन्द्र बोस को खास तौर पर बुलाया गया था। अभिनय के मध्य एक दृश्य आता है- एक फिरंगी अफसर एक भारतीय सिपाही का पीछा करता है। थोड़ी देर तक पीछा करके वह सिपाही को पकड़ लेता है। उसे गाली देना और पीटना शुरू कर देता है। यह दृश्य देखकर दर्शकों के बीच बैठे हुए नेताजी को असीम राष्ट्रभक्ति के चलते भावावेश में हकीकत का अहसास हुआ। वे ऐसा कटु अपमान सहन न कर सके। वे क्रोध में तमतमा कर रंगमंच पर चढ़ गए और अंग्रेज अधिकारी को पकड़कर पीटने लगे। एक क्षण को, अंग्रेज अधिकारी का अभिनय करने वाला अभिनेता स्तब्ध रह गया, पर दूसरे ही क्षण वह संभल गया। उसकी मुखमुद्रा खिल उठी। वह खुशी-खुशी मार खाता रहा। जब नेताजी ने उसे मारना बंद किया तो अभिनेता ने नेताजी के हाथ से जूता अपने हाथ में ले लिया और उसे मस्तक से लगाकर कह उठा कि यह मेरे जीवन का सबसे बड़ा पुरस्कार है। इस वक्तव्य को सुनकर नेताजी सन्न रह गये। वे तत्क्षण समझ गये कि यह तो रंगमंच पर अभिनय चल रहा था, जिसे मैंने सत्य समझ लिया।

सामयिक

आवारा कुत्तों पर सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला

महेन्द्र तिवारी

मोबाइल : 9989703240

भारत में आवारा कुत्तों का मुद्दा वर्षों से विवाद और चिंता का विषय रहा है। एक ओर ये कुत्ते सड़कों पर आम लोगों की सुरक्षा के लिए खतरा बनते हैं, तो दूसरी ओर पशु-प्रेमी इन्हें जीवन का समान अधिकार देने की बात करते हैं। दिल्ली-एनसीआर से लेकर देश के अन्य हिस्सों तक लगातार ऐसी घटनाएं सामने आई हैं जिनमें आवारा कुत्तों के हमले से बच्चों और बुजुर्गों को चोटें आई हैं, यहां तक कि कई मौतें भी हुई हैं। ऐसे माहौल में सुप्रीम कोर्ट का हालिया फैसला न सिर्फ़ एक कानूनी आदेश है बल्कि यह इंसानों और जानवरों के बीच संतुलन की तलाश का प्रयास भी है। 11 अगस्त 2025 को कोर्ट ने दिल्ली-एनसीआर में सभी आवारा कुत्तों को शेल्टर होम में रखने का निर्देश दिया था। इस फैसले के खिलाफ पशु-प्रेमियों और एनजीओ ने विरोध जताया, कैंडल मार्च निकाला और कहा कि कुत्तों को प्राकृतिक वातावरण से अलग करना उनके जीवन-अधिकारों का हनन है। कई याचिकाएं भी दायर की गईं। इन सब पर विचार करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने अब संशोधित आदेश जारी किया है, जिसमें कई अहम बातें सामने आई हैं: बीमार और आक्रामक कुत्ते शेल्टर होम में- कोर्ट ने स्पष्ट किया कि ऐसे कुत्ते जो बीमार हैं या जिनमें आक्रामक प्रवृत्ति है, उन्हें समाज में नहीं छोड़ा जाएगा। इन्हें शेल्टर होम में ही रखा जाएगा ताकि वे इंसानों के लिए खतरा न बनें। स्वस्थ कुत्ते वैक्सिनेट कर वापस छोड़े जाएंगे- पहले आदेश के विपरीत अब कोर्ट ने कहा है कि सामान्य और स्वस्थ कुत्तों को पकड़कर वैक्सिनेट किया जाए और फिर उन्हें उसी जगह छोड़ा जाए, जहां से उन्हें उठाया गया था। इसका मतलब है कि सड़कों से कुत्ते पूरी तरह गायब नहीं होंगे लेकिन सुरक्षित होंगे। खाना खिलाने पर नियम-कोर्ट ने यह भी कहा कि अब आवारा कुत्तों को हर जगह खाना नहीं खिलाया जा सकता। हर इलाके में एक निर्धारित स्थान तय किया जाएगा, वहीं भोजन कराया जाएगा। अगर कोई सार्वजनिक स्थानों पर कुत्तों को खिलाता है तो उस पर कार्रवाई की जाएगी।

जुर्माने का प्रावधान - कुत्तों को पकड़ने वाली टीम के काम में बाधा डालने वाले व्यक्ति पर 25,000 का जुर्माना। यदि कोई एनजीओ नियम तोड़ता है तो उस पर 2,00,000 का जुर्माना। साथ ही शिकायत दर्ज करने के लिए हेल्पलाइन नंबर भी जारी करने के निर्देश दिए गए हैं। गोद लेने का विकल्प- कोर्ट ने पशु-प्रेमियों को प्रोत्साहित किया है कि वे चाहें तो कुत्तों को गोद ले सकते हैं। इसके लिए एमसीडी के समक्ष आवेदन करना होगा और एक बार गोद लेने के बाद कुत्तों को दोबारा सड़कों पर छोड़ने की अनुमति नहीं होगी। राष्ट्रीय नीति का निर्माण-सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि इस मामले में अब एक नेशनल पॉलिसी बनाई जाएगी, जो पूरे देश में लागू होगी। इस नीति का उद्देश्य होगा- इंसानों की सुरक्षा सुनिश्चित करना और साथ ही कुत्तों के जीवन-अधिकारों की रक्षा करना। यह फैसला समाज के अलग-अलग वर्गों को अलग-अलग तरह से प्रभावित करेगा।

सुरक्षा की दृष्टि से यह आदेश उन परिवारों के लिए राहत है जिनके बच्चे या बुज़ुर्ग सड़कों पर कुत्तों के डर से सुरक्षित महसूस नहीं करते। अब आक्रामक और बीमार कुत्तों को शेल्टर में रखने का प्रावधान सुरक्षा की दिशा में बड़ा कदम है। पशु-प्रेमियों की भावनाओं का सम्मान भी किया गया है। उन्हें कुत्तों को गोद लेने का अवसर दिया गया है। साथ ही स्वस्थ कुत्तों को पूरी तरह से बंद करने के बजाय उन्हें वैक्सिनेट कर उनके प्राकृतिक माहौल में वापस छोड़ा जाएगा। नगर निगम और प्रशासन की जिम्मेदारी अब और बढ़ जाएगी। हर इलाके में तय जगह बनाना, वैक्सिनेशन सुनिश्चित करना और नियम तोड़ने वालों पर कार्रवाई करना आसान काम नहीं है। इसके लिए प्रशासनिक क्षमता और पारदर्शिता दोनों की आवश्यकता होगी। कानूनी और सामाजिक अनुशासन का पहलू भी इस फैसले से जुड़ा है।

पहले दिए गए आदेश के बाद इंडिया गेट पर पशु-प्रेमियों ने कैंडल मार्च निकालकर विरोध किया था। उनका तर्क था कि कुत्तों को शेल्टर होम में बंद करना अमानवीय है। नए आदेश ने उनकी मांग का कुछ हद तक सम्मान किया है, क्योंकि अब स्वस्थ कुत्तों को वापस छोड़ा जाएगा। लेकिन सार्वजनिक स्थानों पर खाना खिलाने पर रोक उन्हें खल सकती है। दूसरी ओर, जिन परिवारों के लिए कुत्तों का खतरा बड़ा मुद्दा रहा है, वे इस फैसले से संतुष्ट दिख सकते हैं। यह आदेश दोनों पक्षों को कुछ न कुछ राहत देता है, हालांकि सभी को पूरी तरह संतुष्ट करना संभव नहीं है।

भविष्य की चुनौतियाँ : शेल्टर होम की क्षमता - अगर बीमार और आक्रामक कुत्तों की संख्या बहुत बढ़ती है तो क्या शेल्टर होम उन्हें संभाल पाएंगे? इसके लिए ढांचे और संसाधनों की आवश्यकता होगी। वैक्सिनेशन की पारदर्शिता - यह सुनिश्चित करना होगा कि जिन कुत्तों को छोड़ा जा रहा है, वे वास्तव में वैक्सिनेटेड हों। वरना खतरा बरकरार रहेगा। स्थानीय स्तर पर क्रियान्वयन - हर इलाके में तय जगह पर भोजन कराने और नियमों का पालन कराने के लिए स्थानीय प्रशासन को जिम्मेदारी और संसाधन दोनों चाहिए होंगे। जनजागरूकता - आम लोगों को यह समझाना होगा कि कुत्तों के साथ कैसा व्यवहार करें, कहाँ उन्हें खाना खिलाएँ और कब शिकायत दर्ज करें। बिना जनसहयोग यह नीति सफल नहीं हो सकती।

सुप्रीम कोर्ट का यह संशोधित आदेश भारत में इंसानों और जानवरों के बीच लंबे समय से चले आ रहे संघर्ष में एक मध्य मार्ग तलाशने की कोशिश है। यह न तो पूरी तरह पशु-प्रेमियों के पक्ष में है और न ही केवल इंसानों की सुरक्षा पर केंद्रित है। बल्कि इसमें दोनों पक्षों के हितों को ध्यान में रखते हुए संतुलित दृष्टिकोण अपनाया गया है। यह सच है कि समाज और प्रशासन के सामने अभी भी कई चुनौतियाँ हैं- शेल्टर होम की व्यवस्था, वैक्सिनेशन की प्रक्रिया, और स्थानीय स्तर पर नियमों का पालन। लेकिन अगर इस आदेश को सही ढंग से लागू किया गया तो यह न केवल आवारा कुत्तों की स्थिति सुधार सकता है बल्कि समाज में इंसानों और जानवरों के बीच सह-अस्तित्व का एक नया मॉडल भी पेश कर सकता है। इस फैसले का संदेश साफ़ है: मानव सुरक्षा और पशु अधिकार- दोनों समान रूप से महत्वपूर्ण हैं।

मुद्दा

मानसून सत्र : करोड़ों की बरबादी के साथ लोकतंत्र का तमाशा बना

बाल मुकुन्द ओझा

मोबाइल : 9414441218

संसद का 21 जुलाई से शुरू हुआ मानसून सत्र बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के मुद्दे पर विपक्ष के जोरदार हंगामे और विरोध प्रदर्शनों की भेंट चढ़ गया। लोकसभा और राज्यसभा दोनों ही सदनों में कामकाज बुरी तरह प्रभावित हुआ और अधिकांश बहुमूल्य संसदीय समय नारेबाजी और व्यवधान के कारण नष्ट हो गया। बताया जाता है भारी हंगामे के फलस्वरूप 204 करोड़ रूपये की राशि बर्बाद हुई। इस दौरान संसद में नारेबाजी, बिल फाड़कर फेंकने और तख्तियां लहराने जैसी अशोभनीय घटनाएं भी देखने को मिलीं। लोकसभा स्पीकर ने बताया कि पूरे सत्र में 14 विधेयक पेश किए गए और 12 विधेयक पारित हुए। हालांकि, संविधान में 130वें संशोधन विधेयक को संयुक्त संसदीय समिति को भेज दिया गया। इन सबके बीच, 28-29 जुलाई को 'ऑपरेशन सिंदूर' पर एक विशेष चर्चा हुई, जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सदन को संबोधित किया। इसके अलावा, 18 अगस्त को भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम की उपलब्धियों पर भी एक विशेष चर्चा की गई। संसद सत्रों की कार्यवाही पर एक नज़र डालें तो लगेगा संसद में काम कम और हंगामा ज्यादा होता है। जनता के खून पसीने की कमाई हंगामे की भेंट चढ़ जाती है जो किसी भी स्थिति में लोकतंत्र के लिए हितकारी नहीं है। संसद के पिछले कुछ सत्रों में ऐसा ही कुछ हो रहा है। संसदीय लोकतंत्र में संसद ही सर्वोच्च है। हमारे माननीय संसद सदस्य इस सर्वोच्चता का अहसास कराने का कोई मौका भी नहीं चूकते, पर खुद इस सर्वोच्चता से जुड़ी जिम्मेदारी-जवाबदेही का अहसास करने को तैयार नहीं। बेशक विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र की ऐसी तस्वीर बेहद निराशाजनक ही नहीं, चिंताजनक भी है। संसद ठप रहने की बढ़ती प्रवृत्ति भी कम खतरनाक नहीं है। संसद सत्र अपने कामकाज के बजाय हंगामे के लिए ही समाचार माध्यमों में सुर्खियां बनता जा रहा है। अगर हम संसद की घटती बैठकों के मद्देनजर देखें तो सत्र के दौरान बढ़ता हंगामा और बाधित कार्यवाही हमारे माननीय सांसदों और उनके राजनीतिक दलों के नेतृत्व की लोकतंत्र में आस्था पर ही सवालिया निशान लगा देती है।संसद की देखा देखी अब राज्यों की विधान सभाओं में भी कामकाज के स्थान पर हंगामा ही देखने को मिल रहा है। विधानसभाएं शोर शराबे और हंगामे की केंद्र बिंदु बन गई है। किसी न किसी बहाने हंगामा करना स्वस्थ बहस से ज्यादा जरुरी हो गया है। विरोध का भी एक तरीका होता है।

हंगामे का मतलब किसी मसले पर सरकार से जवाब मांगना या किसी मसले पर कार्रवाई करना नहीं, बल्कि ऐसे हालात पैदा करना होता है जिससे वहां कोई काम ही न हो सके। इसके भरे-पूरे आसार हैं कि अगर सियासी पार्टी हंगामा करने लायक कोई मसले नहीं खोज पाई तो उसे ऐसे मसले उपलब्ध करा दिए जाएंगे। मगर अब हर छोटी मोटी बात पर हंगामा मामूली बात रह गया है। ऐसा लगता है जैसे हमारी स्वस्थ परम्पराएं अब लुप्त सी हो गई है। संसद हो या विधान सभा उनके अध्यक्ष के लिए सुचारु सञ्चालन भारी मुसीबत बनकर रह गया है। कोई भी नियम कानून मानने को तैयार नहीं है। अमर्यादित व्यवहार, शोरगुल और अध्यक्षीय आसन के प्रति घोर अवमानना की घटनाएं बहुधा होती हैं। जनता चाहती है कि संसद चले। पूरे समय चले। विचार विमर्श हो, जनहित के मुद्दे उठे और दलों में परस्पर सद्भाव हो।

गौरतलब है 2014 में नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद पक्ष और विपक्ष में जो कटुता देखने को मिल रही है वह लोकतंत्र के हित में नहीं कही जा सकती। इससे हमारी लोकतान्त्रिक प्रणाली का ह्रास हुआ है। आज सत्ता और विपक्ष के आपसी सम्बन्ध इतने खराब हो गए है की आपसी बात तो दूर एक दूसरे को फूटी आँख भी नहीं सुहाते। दुआ सलाम और अभिवादन भी नहीं करते। औपचारिक बोलचाल भी नहीं होती। लोकतंत्र में सत्ता के साथ विपक्ष का सशक्त होना भी जरुरी है मगर इसका यह मतलब नहीं है की कटुता और द्वेष इतना बढ़ जाये की गाली गलौज की सीमा भी लाँघी जाये। लोकतंत्र की सफलता पक्ष और विपक्ष की मजबूती में है। लोकतंत्र तभी सुदृढ़ होगा जब राष्ट्रीय हितों के मामलों में दोनों की एक राय हो। देश सबसे बड़ा है। मगर ऐसा नहीं हो रहा है जो दुखद है। अब समय का तकाजा है सभी राजनीतिक पार्टियों में जो कुछ गंभीर और समझदार नेता बचे हैं वे लोकतांत्रिक प्रक्रिया में सभ्यता और मर्यादा बनाए रखने के लिए कोशिशें शुरू करें।

नजरिया

दागी जेल से नहीं चला पाएंगे सरकार

प्रमोद भार्गव

असें से चुनाव सुधार के लिए ऐसी विसंगतियां दूर करने की मांग उठती रही है, जिनके चलते दुर्लभ से दुर्लभतम मामलों के आरोपियों को चुनाव लड़ने के अधिकार के साथ, मुख्यमंत्री रहते हुए जेल से सरकार चलाने का अधिकार भी मिला हुआ है। किंतु अब केंद्र सरकार तीन संविधान संशोधन विधेयक लाकर इन विरोधाभासी कानूनों को बदलने की तैयारी में है, जो दागियों को जेल में रहते हुए सरकार चलाने की सुविधा देते हैं। कांग्रेस समेत समूचे विपक्ष के भारी हंगामे के बीच लोकसभा में 130वां संविधान संशोधन विधेयक समेत तीन विधेयक पेश किए गए। इनमें गंभीर आपराधिक आरोप में प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री और मंत्रियों के लगातार 30 दिनों तक जेल में बंद रहने की स्थिति में स्वमेव पद से हटाने का प्रविधान शामिल है। दरअसल दागियों को चुनाव लड़ने से तब तक बाधित नहीं किया जा सकता है, तब तक वर्तमान विरोधाभासी कानूनों में परिवर्तन नहीं कर दिया जाता। इस मकसद पूर्ति के लिए केंद्र सरकार तीन विधेयक पारित कराने की इच्छुक है। पहला, संविधान में 130 वां संशोधन विधेयक-2025 है, जिसके तहत 30 दिन तक जेल में रहकर पद पर बने रहने वाले प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री और मंत्रियों को हटाने का प्रविधान है। पारित होने के बाद यह कानून केंद्र और राज्य सरकारों पर लागू होगा। दूसरा विधेयक केंद्र शासित प्रदेशों के लिए इन्हीं प्रविधानों के साथ लागू होगा। तीसरा विधेयक जम्मू और कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम, 2019 (34) के तहत गंभीर आपराधिक आरोपों के कारण गिरफ्तार और हिरासत में लिए गए मुख्यमंत्री या मंत्री को हटाने का कोई प्रावधान नहीं है। अतएव धारा-54 में संशोधन करके आपराधिक मुख्यमंत्री एवं मंत्रियों को 30 दिन में हटाने का प्रविधान किया जाएगा। हालांकि इन सभी विधेयकों में जमानत की सुविधा दी गई है। यदि 30 दिन में जमानत नहीं मिलती है तो ये स्वयं अयोग्यता के दायरे में आ जाएंगे। यदि बाद में जमानत मिल जाती है तो फिर से पद पर बैठने के अधिकारी हो जाएंगे।

सरकार को संसद के दोनों सदनों से संशोधन विधेयक पारित कराने होंगे। वर्तमान में दलों के बीच जबरदस्त असहमति और टकराव है, अतएव ऐसा संभव होना कठिन है। विपक्ष के नेता राहुल गांधी ऐसे किसी बदलाव को संविधान का खात्मा करने का बहाना करते हुए संसद में हल्ला मचाएंगे और अन्य जिन विपक्षी दलों की बुनियाद दागियों पर टिकी है, वह उनका समर्थन करेंगे। हालांकि भाजपा और उनके सहयोगी दलों में भी दागियों की संख्या कम नहीं है। लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से यह अपेक्षा इसलिए की जा सकती है, क्योंकि एक तो वे चुनाव सुधार की मुखर पैरवी करते रहे हैं, दूसरे जम्मू-कश्मीर को विशेष दर्जा देने वाली धारा 370 को खत्म करने का साहस दिखा चुके हैं। इसलिए तत्काल टकराव को टालने के नजरिये से गृहमंत्री अमित शाह ने इन विधेयकों को संसद की संयुक्त समिति को समीक्षा हेतु भेजने का प्रस्ताव रखा, जिसे लोकसभा अध्यक्ष ने स्वीकार भी कर लिया। चूंकि ये विधेयक विधायिका को अपराध मुक्त बनाने की दृष्टि से अत्यंत आवश्यक हैं, इस कारण संयुक्त संसदीय समिति भी इन विधेयकों को समर्थन में दिखाई देगी ?

दरअसल जेल में बंद और जमानत पर छूटे दागियों को इसलिए राहत मिल जाती है, क्योंकि कानून की निगाह में आरोपी को दोष सिद्ध नहीं हो जाने तक निर्दोष माना जाता है। इसी आधार पर बंदी और दो साल से कम की सजा पाए लोगों को चुनाव में हस्तक्षेप के अधिकार मिले हुए हैं। देश में जाति और संप्रदाय आधारित विडंबनाएं इस हद तक हैं कि अनेक दागी चुनाव जीत भी जाते हैं। यहां तक की राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के अंतर्गत जेल में बंद खालिस्तान समर्थक अमृतपाल सिंह ने पंजाब की खडूर साहिब लोकसभा सीट से विजय हासिल कर ली थी। इसी तरह टेरर फंडिग में तिहाड़ जेल में बंद इंजीनियर रशीद ने जम्मू-कश्मीर की बारामूला विधानसभा सीट से चुनाव जीत लिया था। इस परिप्रेक्ष्य में विचारणीय बिंदू यह भी है कि हत्या, बलात्कार, आतंक, अलगाव और हिंसा भड़काने वाले लोग यदि जीतकर संसद और विधानसभा में पहुंच जाते हैं, तब क्या इन सदनों की गरिमा या संविधान की महिमा बढ़ जाती है ? यदि नहीं बढ़ती तो राजनीतिक दल इन्हें टिकट क्यों देते हैं ? क्या उन्हें देश की अखंडता की चिंता नहीं है? नागरिक शुचिता की अपेक्षा जहां मतदाता से की जाती है, वहीं संवेधानिक मर्यादा का पालन करने का दायित्व दल और निर्वाचित प्रतिनिधियों का है।

दागियों के बचाव में राजनेता और कथित बुद्धिजीवी बड़ी सहजता से कह देते हैं कि दागी, धनी और बाहुबलियों को यदि दल उम्मीदवार बनाते हैं तो किसे जिताना है, यह तय स्थानीय मतदाता को करना होता है। बदलाव उसी के हाथ में है। वह योग्य, शिक्षित तथा स्वच्छ छवि के प्रतिनिधि का चयन करे। लेकिन ऐसी स्थिति में अकसर मजबूत विकल्प का अभाव होता है। अतएव मतदाता के समक्ष दो प्रमुख दलों के बीच से ही उम्मीदवार चयन की मजबूरी पेश आती है। लोक पर राजनेता की मंशा असर डालती है। जनता अथवा मतदाता से राजनीतिक सुधार की उम्मीद करना इसलिए बेमानी है, क्योंकि राजनीति और उसके पूर्वग्रह पहले से ही मतदाताओं को धर्म और जाति के आधार पर बांट चुके होते हैं। बसपा, सपा और एआईएमआईएम का तो बुनियादी आधार ही जाति है। वैसे भी देश में इतनी अज्ञानता, अशिक्षा, असमानता और गरीबी है कि लोग बांटी जा रही मुफ्त की रेवड़ियों के आधार पर मतदान करने लगे हैं। ऐसे में जिस स्तर पर भी केंद्र सरकार राजनीति में शुचिता और नैतिकता के कानूनी मानदंड स्थापित करने के प्रयास में है तो विपक्ष को राष्ट्रहित में समर्थन करने की जरूरत है।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टेंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

स्वागत

झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) विधायक कल्पना मुर्मू सोरेन का शुक्रवार को रांची में राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री और झामुमो नेता शिबू सोरेन के निधन के बाद झारखंड विधानसभा में मानसून सत्र के पुनः आरंभ होने पर विधानसभा अध्यक्ष रवींद्र नाथ महतो द्वारा स्वागत किया गया।

'पुतिन यूक्रेन से रियायतें मांगकर 'जाल' बिछा रहे हैं'

कीव/एपी। यूरोपीय संघ (ईयू) की विदेश नीति प्रमुख ने शुक्रवार को कहा कि तीन साल से चल रहे युद्ध को समाप्त करने के लिए शांति समझौते के तहत यूक्रेन द्वारा रूस को भू-भाग सौंपने की संभावना रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन का बिछाया हुआ एक ''जाल'' है।

काया कलास ने कहा कि रूसी नेता अपनी सेना के आक्रमण को रोकने के बदले में यूक्रेनी रियायतों की मांग कर रहे हैं, लेकिन उनकी मांगों को पूरा करना उस देश को पुरस्कृत करने के समान होगा जिसने लड़ाई शुरू की थी। कलास ने बीबीसी को दिए एक साक्षात्कार में कहा कि पुतिन को रियायतें देने की हालिया चर्चा ''बिल्कुल वही जाल है जिसमें रूस हमें फंसाना चाहता है। उन्होंने कहा, मेरा मतलब है कि चर्चा इस बात पर हो रही है कि यूक्रेन को क्या त्यागना चाहिए, यूक्रेन क्या रियायतें देने को तैयार है, जबकि हम भूल रहे हैं कि रूस ने एक भी रियायत नहीं दी है और यहां वे ही आक्रामक हैं, वे ही हैं जो दूसरे देश पर क्रूरतापूर्वक हमला कर रहे हैं और लोगों को मार रहे हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा पिछले सप्ताह अलास्का में पुतिन के साथ युद्ध पर चर्चा करने तथा सोमवार को व्हाइट हाउस में यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की और यूरोपीय नेताओं की मेजबानी करने के बावजूद, अमेरिका के नेतृत्व में किए जा रहे शांति प्रयासों को गति प्राप्त करने में कठिनाई हो रही है।

औपचारिक शांति प्रस्ताव के लिए कई विवरणों पर विचार-विमर्श की आवश्यकता है। इस बीच, रूस ने यूक्रेन पर हमले जारी रखे हैं और कीव की कुछ प्रमुख मांगों पर आपत्ति जताई है।

यूक्रेन के लिए युद्ध के बाद की स्थिति में पश्चिमी सुरक्षा गारंटी की स्थापना के बारे में कीव का कहना है कि एक और रूसी हमले को रोकने के लिए इसकी आवश्यकता है। वहीं, कलास ने कहा, ऐसा लगता है कि हम इसे निर्धारित करने के मामले में कुछ ही दूर हैं। उन्होंने कहा, रूस बस टालमटोल कर रहा है। यह स्पष्ट है कि रूस शांति नहीं चाहता। राष्ट्रपति ट्रंप बार-बार कह रहे हैं कि हत्याएं रुकनी चाहिए और पुतिन बस हंस रहे हैं, हत्याएं रोकने के बजाय, हत्याएं बढ़ा रहे हैं।

इस बीच, यूक्रेन ने रूस पर लंबी दूरी के हथियारों से जवाबी हमला किया है। इसने तेल रिफाइनरी सहित अन्य ठिकानों को निशाना बनाया है, और हाल के दिनों में रूसी पेट्रोल की थोक कीमतें रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गई हैं। यूक्रेन की ड्रोन सैन्य इकाई के कमांडर रॉबर्ट ब्रोवडी (जिन्हें मग्यार के नाम से भी जाना जाता है) के अनुसार, यूक्रेनी सेना ने शुक्रवार को रूस में द्रुज्बा तेल पाइपलाइन को निशाना बनाया, जिससे ब्रांस्क क्षेत्र में उनेचा तेल पंपिंग स्टेशन को नुकसान पहुंचा। द्रुज्बा पाइपलाइन रूस से शुरू होती है और बेलारूस व यूक्रेन होते हुए स्लोवाकिया और हंगरी तक तेल पहुंचाती है। रूस में, इसका एक हिस्सा ब्रांस्क क्षेत्र और उनेचा जिले से होकर गुजरता है।

ब्रांस्क क्षेत्र के गवर्नर अलेक्जेंडर बोगोमाज ने एक टेलीग्राम पोस्ट में बताया कि यूक्रेन ने संयुक्त हमले में इस क्षेत्र पर हिमरास रॉकेट और ड्रोन दागे। यह पाइपलाइन हंगरी को आधे से अधिक कच्चे तेल की आपूर्ति करती है। हंगरी के विदेश मंत्री पीटर सिज्रार्टो ने शुक्रवार को फेसबुक पर एक पोस्ट में लिखा कि द्रुज्बा पाइपलाइन पर ''थोड़े ही समय में तीसरी बार'' हमला हुआ है।

मंत्री ने लिखा, यह हमारे देश की ऊर्जा सुरक्षा पर एक और हमला है। हमें युद्ध में घसीटने की एक और कोशिश है।

मंत्री पीए मोहम्मद रियाज

अपनी भव्यता और विविधता के साथ आ रहा है मलयाली लोगों का लोकप्रिय त्योहार 'ओणम'

तिरुवनंतपुरम/दक्षिण भारत। मलयाली लोगों का बहुप्रतीक्षित त्योहार 'ओणम' दुनिया के उन गिने-चुने त्योहारों में से एक है, जो पौराणिक कथाओं, प्रकृति के प्रति श्रद्धा और सांस्कृतिक अभिव्यक्तियों को एक मनमोहक चित्रकारी के रूप में समन्वित करता है। इस वर्ष, दस दिवसीय ओणम का त्योहार 26 अगस्त से शुरू हो रहा है। यह 5 सितंबर को 'थिरुवोनम' दिवस के साथ संपन्न होगा। ओणम अपनी सुंदरता, गरिमा, आकर्षण और व्यापकता के लिए जाना जाता है। ओणम, जो मलयालम कैलेंडर के 'चिंगम' महीने में पड़ता है, दक्षिण-पश्चिम मानसून के तीन महीनों के बाद आता है। यह वह समय होता है, जब धरती मां की कोख से ताजी कोपलें फूटती हैं और हर तरफ एक प्यारा-सा समां छाया होता है।

महाबली की कथा से जुड़ाव

ओणम से एक पौराणिक कथा जुड़ी हुई है। केरल क्षेत्र पर युगों पहले राजा महाबली का शासन था। वहां किसी प्रकार की चोरी, छल या द्वेष का नामोनिशान नहीं था। भगवान विष्णु ने एक वामन का रूप धारण किया और उनके एक पैर ने पूरी धरती और दूसरे ने पूरा स्वर्ग ले लिया। राजा को तब पाताल लोक जाना पड़ा। उन्होंने साल में एक बार अपनी प्रजा से मिलने का वरदान मांगा था। ओणम वही त्योहार है, जब महाबली घर आते हैं।

फूलों के कालीन

ओणम की सबसे प्राचीन और रंगीन छवि महाबली के स्वागत में फूलों के कालीन बिछाने की परंपरा है। इसे 'अथ पूक्कलम' भी कहा जाता है। यह तिरुवोणम से 10 दिन पहले, राशि चक्र पंचांग के 'अथम दिवस' पर घरों में शुरू होता है। पूक्कलम स्कूलों, कार्यालयों और तकनीकी परिसरों में बिछाया जाता है। किसी भी आगंतुक का स्वागत पूक्कलम से किया जाता है। परिवार के सदस्य कालीन बनाते समय अपने सौंदर्य बोध का पूरा उपयोग करते हैं।

ओणम साध्या, बहु-व्यंजन भोज

ओणम साध्या, केले के पत्ते पर परोसा जाने वाला बहु-व्यंजन भोज, इस त्योहार का एक लाजवाब आकर्षण है। परंपरागत रूप से, साध्या घर पर महिलाओं द्वारा तैयार किया जाता था और पुरुष केले के चिप्स और पकौड़े तलने में मदद करते थे। केले के पत्तों में परोसे जाने वाले ये व्यंजन पारंपरिक रूप से शाकाहारी होते हैं। चावल, सांभर, अवियल, रसम, ओलन, एरीसेरी, पापड़म, तले हुए केले के चिप्स और अचार के साथ मीठे 'प्रधानम' जैसे व्यंजनों की सूची काफी लंबी है। ओणम साध्या भारत के प्रमुख शहरों के अलावा मध्य पूर्व, अमेरिका और ब्रिटेन के प्रमुख रेस्टोरेंट और स्टार होटलों में उपलब्ध होता है।

महिलाएं उत्सवों के केंद्र में

इस मौसम में कई खेल परंपराओं की वापसी होती है। कभी जब महिलाएं मूलत: गृहिणी थीं, ओणम उनके लिए अपनी कलात्मक प्रतिभा को अभिव्यक्त करने का एक अवसर था। इसमें नृत्यकला की कई अभिव्यक्तियां होती हैं।

खेलों का मौसम

केरल के कुछ हिस्सों में, ओणम पुरुषों को ओनाथल्लू नामक एक मनोरंजक युद्ध में भाग लेकर अपनी शारीरिक शक्ति का प्रदर्शन करने का अवसर देता है। इसकी रणनीतियां कलारीपयट्टु की मार्शल आर्ट से ली गई हैं।

सामुदायिक सांस्कृतिक स्थल

ये सांस्कृतिक अभिव्यक्तियां घरों के मैदानों से सामुदायिक स्थलों पर पहुंच गई हैं। राज्य सरकार राजधानी, जिला मुख्यालयों, शहरों और कस्बों में पूरे एक सप्ताह तक बड़े पैमाने पर ओणम समारोह आयोजित करती है। स्थानीय सांस्कृतिक संगठन अग्रणी भूमिका निभाते हैं।

पर्यटन सप्ताह समारोह

इस मौसम में बड़ी संख्या में पर्यटकों का आगमन होता है। उनके स्वागत और उत्सव स्थलों के भ्रमण के लिए पर्यटन विभाग ने विशेष व्यवस्था की है। पर्यटन मंत्री पीए मोहम्मद रियास ने कहा कि सरकार द्वारा आयोजित सप्ताह भर चलने वाला पर्यटन उत्सव केरल की शास्त्रीय, लोक और जातीय कलाओं का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करता है। यह सैकड़ों कलाकारों को राजधानी और राज्यभर के केंद्रों में प्रदर्शन करने का अवसर देता है। मंत्री ने कहा कि ओणम के मौसम में पर्यटक विविधतापूर्ण संस्कृति का अनुभव कर सकते हैं। इस वर्ष, पर्यटन विभाग द्वारा आयोजित सप्ताह भर चलने वाले पर्यटन सप्ताह समारोह का उद्घाटन केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन 3 सितंबर को तिरुवनंतपुरम में करेंगे। सांस्कृतिक कार्यक्रमों, मुख्य मार्गों और ऐतिहासिक इमारतों की रोशनी से सराबोर यह समारोह 9 सितंबर को एक भव्य रंगारंग कार्यक्रम के साथ संपन्न होगा।

नौका दौड़

ओणम नौका दौड़ का भी मौसम है। केरल में कई विशाल बैकवाटर हैं। त्रावणकोर, विशेष रूप से निचले इलाके कुट्टनाड का धान का कटोरा, नौका दौड़ का केंद्र रहा है। मुख्य आकर्षण चुंडनवल्लम है। यह 140 फीट लंबी सर्प-नाव होती है, जिसमें 120 पैडलर्स बैठ सकते हैं। छोटी-छोटी नावें भी होती हैं, जिनसे महिलाएं प्रतिस्पर्धा कर सकती हैं।

अनावरण

बेंगलूरु में एक समारोह में गंगटोक में सीसीएचएचएल की 51वीं संपत्ति 'वैली विस्टा रिज़ॉर्ट' के शुभारंभ के दौरान कंट्री क्लब हॉस्पिटैलिटी एंड हॉलिडेज लिमिटेड (सीसीएचएचएल) के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक वाई. राजीव रेड्डी ने वीआईपी गोल्ड सदस्यता कार्ड विशेष का अनावरण किया।

चीनी विदेश मंत्री वांग यी पाकिस्तान के सेना प्रमुख से मिले, क्षेत्रीय सुरक्षा पर चर्चा की

इस्लामाबाद/भाषा। चीनी विदेश मंत्री वांग यी ने शुक्रवार को पाकिस्तान के सेना प्रमुख असीम मुनीर से भेंट की तथा क्षेत्रीय सुरक्षा, आतंकवाद रोधी उपायों और आपसी हित के मामलों पर चर्चा की।

वांग इस्लामाबाद में विदेश मंत्रियों की रणनीतिक वार्ता के छठे दौर में भाग लेने के लिए बुधवार को पाकिस्तान पहुंचे। उन्होंने प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी से भी मुलाकात की तथा क्षेत्रीय शांति, विकास और स्थिरता को बढ़ावा देने के लिए पाकिस्तान के साथ काम करने की चीन की प्रतिबद्धता दोहरायी।

पाकिस्तानी सेना ने शुक्रवार को एक बयान में कहा कि चीन ने पाकिस्तान की संप्रभुता और विकास के लिए 'दृढ़ समर्थन' व्यक्त किया है, क्योंकि दोनों पक्ष अपनी 'सदाबहार रणनीतिक साझेदारी' को मजबूत करने पर सहमत हुए हैं।

उसने कहा कि सेना प्रमुख मुनीर और चीनी विदेश मंत्री वांग के

बीच चर्चा क्षेत्रीय सुरक्षा, आतंकवाद-रोधी कदमों और आपसी हित के मामलों पर केंद्रित रही।

मुनीर ने निरंतर समर्थन के लिए चीन के प्रति आभार व्यक्त किया।

पिछले महीने मुनीर चीन गए थे, जहां उन्होंने उपराष्ट्रपति हान जेंग, वांग और शीर्ष सैन्य अधिकारियों से मुलाकात की थी, लेकिन अपने पूर्ववर्ती जनरल कमर जावेद बाजवा की तरह राष्ट्रपति शी चिनफिंग से मुलाकात नहीं की थी।

बृहस्पतिवार को वांग और पाकिस्तानी विदेश मंत्री इशाक डार ने चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा (सीपीईसी) 2.0, व्यापार और आर्थिक संबंध, बहुपक्षीय सहयोग और लोगों से लोगों के बीच संबंधों समेत द्विपक्षीय सहयोग के संपूर्ण पहलुओं की समीक्षा के लिए रणनीतिक संवाद किया था।

वांग काबुल से इस्लामाबाद पहुंचे। काबुल में उन्होंने अफगानिस्तान और पाकिस्तान के विदेश मंत्रियों के साथ त्रिपक्षीय बैठक में हिस्सा लिया।

जश्न

नई दिल्ली में शुक्रवार को जंतर-मंतर पर सामाजिक कार्यकर्ताओं और पशु कल्याण से जुड़े लोगों ने आवारा कुत्तों पर सुप्रीम कोर्ट के पुनर्विचारित फैसले का जश्न मनाया।

सेंसर बोर्ड की मंजूरी से इनकार के बाद बम्बई उच्च न्यायालय देखेगा योगी के जीवन पर आधारित फिल्म

मुंबई/भाषा

बम्बई उच्च न्यायालय ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के जीवन पर आधारित फिल्म को प्रमाण-पत्र नहीं देने के सेंसर बोर्ड के फैसले के बाद बृहस्पतिवार को कहा कि अदालत यह फिल्म देखेगी। केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (सीबीएफसी) ने 'द मॉन्क हू बिकेम चीफ मिनिस्टर' पुस्तक से प्रेरित इस फिल्म को प्रमाणित करने से इनकार कर दिया और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री कार्यालय से अनापत्ति प्रमाण पत्र न मिलने सहित कई आपत्तियां उठाईं। न्यायमूर्ति रेवती मोहिते डेरे और न्यायमूर्ति नीला गोखले की पीठ ने बृहस्पतिवार को कहा कि वह फिल्म देखने के बाद फिल्म निर्माताओं की याचिका पर फैसला लेंगे। अदालत ने निर्माताओं को फिल्म की एक प्रति जमा करने का निर्देश दिया, जिसमें उन दृश्यों या अंशों को स्पष्ट रूप से चिह्नित किया गया हो, जिन पर बोर्ड ने आपत्ति जताई है।

मामले की अगली सुनवाई 25 अगस्त को होगी। जिस किताब पर यह फिल्म आधारित है, उसकी एक प्रति पहले ही अदालत में जमा कर दी गई है। फिल्म निर्माताओं की ओर से पेश हुए अधिवक्ता रवि कदम, सत्य आनंद और निखिल अराधे ने दलील दी कि सिनेमैटोग्राफ अधिनियम के तहत वैकल्पिक उपाय उपलब्ध होने के बावजूद उच्च न्यायालय उनकी याचिका पर फैसला सुना सकता है। वरिष्ठ वकील कदम ने दलील दी कि सीबीएफसी संशोधन समिति द्वारा प्रमाणन देने से इनकार करना न केवल फिल्म निर्माताओं के मौलिक अधिकारों का उल्लंघन है, बल्कि बोर्ड ने एक व्यक्ति (मुख्यमंत्री आदित्यनाथ) से अनापत्ति प्रमाण पत्र प्राप्त करने के लिए कहकर अपने अधिकार क्षेत्र से बाहर जाकर भी काम किया है। उन्होंने कहा, वे किसी व्यक्ति के मौलिक अधिकारों के संरक्षक नहीं हैं।

'एक दीवाने की दीवानियत' का फर्स्ट लुक आउट

मुंबई/एजेन्सी

इस साल की शुरुआत में हर्षवर्धन राणे और सोनम बाजवा की नई फिल्म का अनाउंसमेंट हुआ था। तभी से ही इस मूवी के लिए फैंस उत्सुक दिखे थे। हर्षवर्धन राणे की इस मूवी का नाम है 'एक दीवाने की दीवानियत'। इसका फर्स्ट लुक गुरुवार को जारी कर दिया गया। इसके फर्स्ट लुक पोस्टर में हर्षवर्धन और सोनम बाजवा की केमिस्ट्री साफ-साफ दिख रही है। यह पहली बार है जब ये दोनों स्टार बड़े पर्दे पर साथ दिखाई देंगे। इसके साथ ही इस मूवी की रिलीज डेट भी फाइनल हो गई है। दिवाली पर 21 अक्टूबर को ये सिनेमाघरों में रिलीज होगी। 'सनम तेरी कसम' के बाद से ही हर्षवर्धन राणे की फिल्मों का फैंस को इंतजार रहता है। जब से इस फिल्म की अनाउंसमेंट हुई थी, तभी से ही लोग इसके लुक और रिलीज डेट के बारे में पूछने लगे थे। यह एक रोमांटिक ड्रामा है, जिसमें प्यार, जुनून और दिल टूटने की एक भावुक कहानी होगी। इस फिल्म का

निर्देशन मिलाप जावेरी कर रहे हैं। इसके सह-निर्माता राघव शर्मा हैं। फिल्म के बारे में बात करते हुए मिलाप ने कहा, यह असल में एक भावुक प्रेम कहानी है। हर्षवर्धन और सोनम की केमिस्ट्री कमाल की है, और मैं इस दिवाली दर्शकों को इसे देखने के लिए बेताब हूं।

सोनम बाजवा के पास और भी फिल्में हैं; उन्हें 'हाउसफुल 5' में देखा गया था। उनके पास टाइगर श्रॉफ की 'बागी 4' भी है, जो 5 सितंबर, 2025 को सिनेमाघरों में आएगी। जबकि हर्षवर्धन के पास भी कुछ फिल्में हैं जिनमें 'तुम ही हो' और 'सिला' जैसी मूवी के नाम शामिल हैं। बॉक्स ऑफिस पर इस फिल्म की भिड़ंत कार्तिक आर्यन की मूवी से होगी, जिसका नाम अभी फाइनल नहीं हुआ है। फिल्म में श्रीलीला के साथ उनकी जोड़ी पहली बार दिखाई देगी। अब दोनों में से कौन सी मूवी हिट होगी, ये तो वक्त ही बताएगा।

मेरी हर फिल्म ने मुझे एक अलग अनुभव दिया : तनीषा मुखर्जी

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री तनीषा मुखर्जी ने अपने फिल्मी करियर में कई तरह की फिल्मों में काम किया है, जिनमें से कुछ ने दर्शकों का दिल जीता, तो कुछ बॉक्स ऑफिस पर ज्यादा प्रभाव नहीं छोड़ पाईं। लेकिन, तनीषा का मानना है कि उनकी हर फिल्म ने उन्हें कुछ न कुछ सिखाया। अपनी फिल्मी यात्रा के बारे में बात करते हुए तनीषा ने कहा, मैंने जितनी भी फिल्में की हैं, हर एक ने मुझे कुछ न कुछ सिखाया है। चाहे वो भावनाओं से भरी फिल्म 'टैंगो चार्ली' हो, मस्ती भरी फिल्में 'पॉपकॉर्न' या 'नील एन निक्की' या फिर कॉमेडी जैसी '123', हर फिल्म का अनुभव अलग रहा। 'सरकार' जैसी फिल्म मेरे लिए बिल्कुल नया अनुभव था, जहां मैंने राजनीति पर बनी कहानी में शानदार कलाकारों के साथ काम किया। हर फिल्म ने मुझे कुछ नया सिखाया और मुझे अलग-अलग तरह की कहानियों का हिस्सा बनकर हमेशा अच्छा लगा। बात करें अभिनेत्री के करियर की तो उन्होंने फिल्म 'टैंगो चार्ली' में बॉबी देओल के अपोजिट 'लच्छी' का किरदार निभाया था, जो एक साधारण और गहरी भावनाओं वाली भूमिका थी। यह फिल्म जंग और फर्ज की सच्चाइयों पर आधारित थी। 'पॉपकॉर्न...' में तनीषा ने एक कॉलेज थीम वाली फिल्म में युवा जोश को जीवंत किया था। प्रीतिश नंदी कम्युनिकेशंस द्वारा निर्मित इस फिल्म में उनका चुलबुला अंदाज और बेफिक्र किरदार दर्शकों को खूब भाया। यह फिल्म आज भी युवा ऊर्जा और कॉलेज जीवन की मस्ती को दर्शाती है। 'नील एन निक्की' में तनीषा ने आधुनिक रोमांस की दुनिया में कदम रखा था। यह फिल्म यात्रा, संगीत और युवा आकर्षण से भरी थी। तनीषा ने अपने किरदार को रंगीन और जीवंत अंदाज में पेश किया, जो आज भी समकालीन रोमांस का प्रतीक है। वहीं, 'सरकार' में तनीषा ने अपनी छाप छोड़ी। इस फिल्म में उन्होंने अमिताभ बच्चन जैसे दिग्गजों के साथ स्क्रीन साझा की। जटिल कहानी और गहरे किरदारों के बीच उनका अभिनय उनकी बहुमुखी प्रतिभा को दर्शाता है, जो आज भी प्रशंसनीय है। कॉमेडी फिल्म '123' में तनीषा ने सुनील शेट्टी और परेश रावल जैसे सितारों के साथ काम किया। इस हास्यप्रद कहानी में उनकी मौजूदगी ने फिल्म की हल्की-फुल्की अपील को और बढ़ाया। उनका हास्य भरा किरदार दर्शकों को खूब हंसाता है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com
चेन्नई | शनिवार | 23-08-2025 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY
RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

अनुपम धर्म को पाकर भी फल की इच्छा करना व्यर्थ है। किसी भी दबाव में आए बिना आत्मा के शुभ परिणाम से इस दूषण को छोड़ें। हमें सही-गलत के लिए शिक्षा ग्रहण नहीं करनी है बल्कि आगे बढ़ने के लिए करनी है। जहां समता आएगी, वहां धर्म के फल में संशय पैदा नहीं होगा। मिथ्या दृष्टि देवों के बाह्य, व्यवहारिक दिखते हुए दान आदि गुणों की प्रशंसा करना, वह मिथ्या मत की प्रशंसा करने के समान है।

आराधना करो और विराधना से बचो : डॉ. समकित मुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। पुरुषवाक्कम स्थित एएमकेएम जैन मेमोरियल ट्रस्ट में पर्व पर्युषण के तीसरे दिन शुक्रवार को प्रवचन देते हुए जयवंत मुनिजी म.सा. ने कहा कि आज की युवा पीढ़ी हर कार्य करने से पहले प्रश्न करती है कि यह क्यों करना है और इससे क्या लाभ होगा। ठीक वैसे ही धर्म और ध्यान के विषय में भी उनके मन में प्रश्न आते हैं कि धर्म आराधना क्यों की जाती है और इससे क्या लाभ है। मुनिजी ने समझाया कि लाभ का आकलन बाद में किया जा सकता है, परंतु धर्म करने से कोई हानि तो नहीं होती। उन्होंने कहा कि युवा वर्ग आज तनाव से ग्रस्त है, जबकि धर्म इस बोझ को हल्का कर देता है। धर्म से जीवन की कठिनाइयाँ कम होती हैं और कार्यों की सिद्धि भी मिलती है। यदि हम चाहते हैं कि हमारे जीवन में कोई विपत्ति न आए तो देव-गुरु की शरण लेना ही सही मार्ग है। संसार हमें केवल जीना सिखा सकता है परंतु सही दिशा धर्म ही दिखाता है।

प्रवचन को आगे बढ़ाते हुए डॉ. समकित मुनिजी म.सा. ने कहा कि जीवन को आराधना में व्यतीत करना चाहिए, विराधना में नहीं। जब जीवन विराधना में गुजरता है तो भव-भव नष्ट हो जाते हैं। आत्म-संयम से व्यक्ति अनेक पापों से बच सकता है। हमारे कान और जुबान यदि नियंत्रण में हों तो पाप नहीं होगा। उन्होंने कहा कि कम ही ज्यादा है यह सूत्र जीवन का आधार बनना चाहिए। उदाहरण देते हुए बताया कि थाली में भोजन आए तो यह सोचें कि बस इतना बहुत है'। कुछ कम है जैसी सोच इंसान को असंतोषी बना देती है और रिश्तों को भी कमजोर करती है। इसी सूत्र को आराधना मानकर जीवन में अपनाना चाहिए। हमें अक्सर ऐसा लगता है कि हमारे पास कुछ कमी है। चाहे हमारे पास सब कुछ ही क्यों न हो, मन में यही चलता रहता है कि कुछ कम है, कुछ कम है। जब हम पैसे कमाते हैं और वह हमारी ज़रूरत के अनुसार पर्याप्त भी होता है, तब भी मन को संतोष नहीं होता। यह सोच बार-बार दोहराते रहने से हमारे दिमाग़ में भी वही धारणा बैठ जाती है कि सच में हमारे पास कमी है। लेकिन यदि हम अपनी सोच बदलें और मान लें कि बस इतना ही बहुत है, तो जीवन में छोटी-सी उपलब्धि भी बड़ी ख़ुशी देने लगती है। जब हमें ऐसी खुशी मिलती है जिसकी हमने कल्पना भी नहीं की थी, तब हम और भी अधिक प्रसन्न हो जाते हैं। क्योंकि हमारी सोच ही यह तय करती है कि हमें संतोष मिलेगा या नहीं। अगर हम सोचते हैं कि हमारे पास कम है, तो मन और भी अधिक असंतुष्ट और कमजोर होता चला जाएगा। असल में जीवन की सबसे बड़ी सच्चाई यही है कि संतोष में ही सुख है। यदि हम यह समझ लें कि बस इतना ही बहुत है, तो हमें हर हाल में खुशी मिलेगी। बहुत ज़्यादा चाहतें रखने से केवल तनाव मिलता है, और कम में संतोष रखने से सच्चा सुख मिलता है। इसलिए अपनी सोच को सकारात्मक और संतोषी बनाएँ-तभी जीवन सुखमय बनता है।

कार्याध्यक्ष मिठालाल पगारिया ने बताया कि शनिवार को ध्यान दिवस मनाया जाएगा। वहीं शुक्रवार को विगय त्याग दिवस मनाया गया। मंच संचालन मंत्री विनयचंद पावेचा ने किया।

उद्घाटन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई के पेरम्बूर स्थित भगवान महावीर वेलफेयर एसोसिएशन के तत्वाधान में युवाचार्य मधुकर मुनि जैन हॉस्पिटल के प्रांगण में अत्याधुनिक इलेक्ट्रोलाइट मशीन और हिमेटोलॉजी मशीन का उद्घाटन किया। इस नई तकनीक से मरीजों को बेहतर और सटीक निदान मिलेगा।अस्पताल में जरूरतमंदों को अल्प शुल्क पर साधारण चिकित्सा के अलावा दंत, नेत्र, ईएनटी एवं महिला चिकित्सा आदि की सुविधा प्रदान की जाती है। यहां पर ईसीजी, फिजियोथैरेपी, डिजिटल लैब की व्यवस्था है। इस मौके पर एसोसिएशन के मंत्री चेतन पटवा उपाध्यक्ष विजय तातेड, अजीत पटवा, सहमंत्री गौतम सकलेचा, राजेश बोहरा, महेन्द्र तालेड़ा उपस्थित थे।

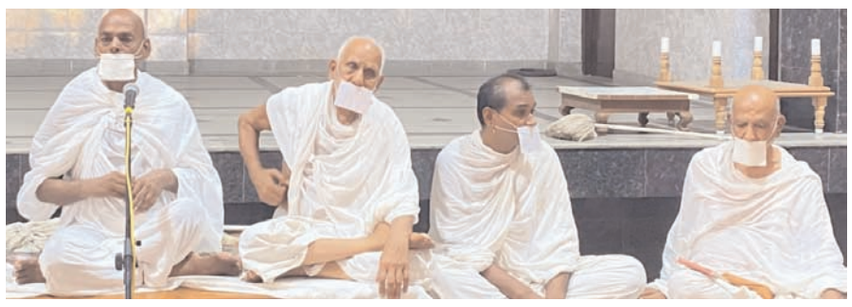

'अंधविश्वास में आत्मा कभी साधना में प्रवेश नहीं कर सकती'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां साहुकारपेट के जैन भवन में राष्ट्रसंत कमलमुनिजी कमलेश ने शुक्रवार को अपने प्रवचन में कहा कि जिसके माध्यम से आत्म बल कमजोर होता हो, व्यक्ति गुमराह और भ्रमित होता है, उससे बड़ा धर्म और पाप कुछ नहीं हो सकता। तन का टूटा चल सकता है लेकिन मन का टूटा नहीं चल सकता, आध्यात्म और साधना का सबसे खतरनाक शत्रु है अंधविश्वास। उन्होंने कहा कि जहां पर अंधविश्वास होगा वह आत्मा कभी साधना में प्रवेश नहीं कर सकती, उसके द्वारा की गई साधना और कर्म बंधन का कारण बनेगी जीवन के लिए अभिशाप बनेगी। उन्होंने कहा कि अंधविश्वास अपने आप में हिंसा का प्रतीक, सबसे भयंकर पाप जो सर्वनाश करने वाला है। आत्मा की शक्ति का साक्षात्कार नहीं होने देता विज्ञान की 21वीं विज्ञान की सदी में भी पढ़े-लिखे लोग जब इसके शिकार बनते हैं, बड़ी तरस आती है। इससे बड़ा दुर्भाग्य और क्या हो सकता है। आज भी नरबलि और पशु बलि दी जा रही है। मुनि कमलेश ने बताया कि अंधविश्वास की बेडियो में जकड़ा हुआ पुरुषार्थ पराक्रम को भूलकर, गिड़गिड़ाने लगता हैश्र।पराधीनता स्वीकार कर लेता है। धन, बल और बुद्धि तीनों कुंठित हो जाती है, अनमोल मानव जन्म को व्यर्थ खो देता है। आज का विज्ञान अंधविश्वास के भरोसे रहता तो क्या इतना आविष्कार संभव हो सकता, अंधविश्वास हलाहल जहर है जो आत्मा को अनंत काल तक भटकाता है। जैन संत ने कहा कि राम और रावण कंस, कृष्णा गौतम और गौशालाक दोनों की राशि एक थी परंतु कर्म तो अलग-अलग थे। कर्म का ज्ञान नहीं होने वाला ही अंधविश्वास का शिकार बनता है। अखिल भारतीय जैन दिवाकर विचार मंच नई दिल्ली युवा शाखा के राष्ट्रीय मंत्री डॉ विशाल मेहता ने युवा पीढ़ी का आवाहन किया वह अंधविश्वास पर नहीं अपने पुरुषार्थ पर विश्वास करें। अध्यक्ष प्रकाश खींवेशरा ने स्वागत किया। संचालन महामंत्री डॉक्टर संजय पीचा ने किया।

समता की साधना है सामायिक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मदुरै। यहां मुनि श्री हिमांशु कुमार के सान्निध्य में शुक्रवार को मदुरै तेरापंथ भवन में पर्युषण पर्व का तीसरा दिवस सामायिक दिवस के रूप में मनाया गया। मुनि श्री हिमांशु कुमार जी ने अपने प्रवचन में भगवान महावीर के दूसरे और तीसरे भव का विस्तृत वर्णन किया। उन्होंने गौतम गंधर को भगवान महावीर द्वारा दी गई प्रेरणा पर प्रकाश डालते हुए बताया कि प्रमाद न करना साधक के जीवन का मूल मंत्र है। इस प्रवचन में उन्होंने इसके मनोवैज्ञानिक कारणों को भी सरल भाषा में समझाया।

मुनिश्री हेमंत कुमारजी ने परम सुख की चाबी विषय पर अपने विचार रखे। उन्होंने कहा कि सामायिक वह साधना है, जिससे मोक्ष का मार्ग प्रशस्त होता है। सामायिक की चाबी से ही मोक्ष के ताले को खोला जा सकता है। इस अवसर पर मदुरै में लगभग 250 सामायिक हुईं एवं 2 पचरंगी सामायिक का विशेष आयोजन भी संपन्न हुआ। तेरापंथ महिला मंडल की अध्यक्ष दीपिका फुलफगर ने यह जानकारी दी।

तपे बिना घड़ा पानी भरने योग्य नहीं बनता : डॉ. दिलीप धींग

चेन्नई। अंतरराष्ट्रीय प्राकृत केन्द्र के पूर्व निदेशक साहित्यकार डॉ. दिलीप धींग ने कहा कि तप से व्यक्ति पात्रता अर्जित करता है। तपे बिना घड़ा पानी भरने योग्य नहीं बनता है। श्री जैन संघ, अरुम्बाक्कम द्वारा एमएमडीए कॉलोनी स्थित रुक्मणी विद्यालय में आयोजित पर्युषण व्याख्यानमाला के तीसरे दिन शुक्रवार को उन्होंने कहा कि भगवान महावीर की दीक्षा और केवलज्ञान के साथ छट्ठ भक्त की तपस्या जुड़ी थी। उन्होंने विशिष्ट ज्ञान साधना के लिए तपस्या को जरूरी बताया। डॉ. धींग ने कहा कि भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन में महात्मा गांधी ने उपवास को अहिंसक प्रतिकार का माध्यम बनाया। किसी समय देश जब अन्न की कमी से जूझ रहा था, तब लाल बहादुर शास्त्री ने देशवासियों से उपवास का अनुरोध किया था। डॉ. धींग ने कहा कि पर्युषण और चातुर्मास के दौरान जैन समाज में होने वाली तपस्याओं के फलस्वरूप लाखों टन अन्न और खाद्य पदार्थों की बचत होती है।

आराध्य से एकाकार होने वाला नहीं बनता बेसहारा : कपिल मुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहाँ गोपालपुरम स्थित छाजेड भवन में चातुर्मासार्थ विराजित श्री कपिल मुनि जी म.सा. ने अष्ट दिवसीय पर्वाधिराज पर्युषण प्रवचन माला के तहत शुक्रवार को कहा कि हम सभी सौभाग्यशाली हैं कि तन की स्वस्थता और मन की प्रसन्नता के साथ आत्म विशुद्धि के पर्व पर्यूषण की आराधना में संलग्न हैं और भगवान की वाणी श्रीअंतगढ़ सूत्र जैसे महान शास्त्र के स्वाध्याय के आलोक में जीवन और जगत के सत्य को जानने का प्रयास कर रहे हैं। जीवन का परम सत्य यही है कि जो जन्मा है वह अवश्य मरण को प्राप्त होगा, जैसा करेगा वैसा भरेगा इस सत्य को जानने और मानने से ही जीवन मे परिवर्तन घटित होगा। कर्म एक आमंत्रित मेहमान की तरह है जिसे हम ही बुलाते हैं कर्मोदय होने पर हाय तौबा मचाने से छुटकारा नहीं मिलता बल्कि समभाव से सहन करने से कर्म की शक्ति शिथिल हो जाती है। कर्मबंध के समय सावधानी और उदय होने पर समभाव रखने की कला ही धर्म है। कर्म उदय में आने के पहले ही हमें कर्म का क्षय करने का पुरुषार्थ करना चाहिए। उन्होंने कहा कि स्वाध्याय परम तप है विचार शुद्धि का सशक्त माध्यम है। व्यक्ति के विचार अच्छे होंगे तो व्यवहार भी सुन्दर और शालीन होगा। व्यक्तित्व का निर्माण भी विचारों की गुणवत्ता पर आधारित है। सकारात्मक सोच और विचार के सहारे व्यक्ति विषम परिस्थितियों में भी मन की समाधि को टिका सकता है चेतना के रूपांतरण में सकारात्मक दृष्टिकोण की बड़ी भूमिका होती है। जीवन में जो कुछ भी अच्छा-बुरा घटित होता उसका जिम्मेदार व्यक्ति स्वयं ही होता है दूसरे तो सिर्फ निमित्त मात्र होते हैं। निमित्तों को कोसने वाले धर्मात्मा बनने के गौरव से वंचित बने रहते हैं। गुरुदेव ने कहा कि संसार में वही व्यक्ति भयभीत होता है जिसका कोई आधार और सहारा नहीं होता। सहारा मिलते ही व्यक्ति निश्चिंत हो जाता है जिस व्यक्ति का मन अपने आराध्य के साथ एकाकार हो जाता है वह व्यक्ति जिंदगी में कभी आश्रय हीन और बेसहारा नहीं होता। उसे एक ऐसा पूर्ण और समर्थ आधार मिल जाता है जहां सारे डर जीवन से विदा हो जाते हैं। अध्यक्ष अमरचंद छाजेड ने बताया कि पर्यूषण पर्व के दौरान छाजेड भवन में सामूहिक एकासन, आयंबिल व अष्ट दिवसीय नवकार महामन्त्र का अखण्ड जाप और बेला, तेला आदि अनेक बड़ी तपस्या निरंतर गतिमान है। संघ के मंत्री राजकुमार कोठारी ने सभा का संचालन किया।

समर्पण ही जीवन की सच्ची पूजा है : आचार्यश्री हीरचंद्रसूरिश्वर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां किलपॉक स्थित एससी शाह भवन में चातुर्मासार्थ विराजित आचार्यश्री हीरचंद्रसूरिश्वरजी म.सा. ने पर्युषण पर्व के तीसरे दिन अपने मंगल प्रवचन में श्रावक के छः दैनिक कर्तव्यों की विवेचना करते हुए कहा कि गुरु, माता-पिता और भगवान, सबकी पूजा एक ही है, किंतु समर्पण अलग-अलग रूपों में है। उन्होंने पहला कर्तव्य 'जिनेन्द्र पूजा' बताया। उन्होंने कहा, पूजा यानी समर्पण। भगवान की प्रतिमा करुणा और सकारात्मक आभा का आलंबन है। मन का उपयोग सही दिशा में हो तो वही उठाता है, गलत दिशा में हो तो गिरा देता है। भगवान की पूजा हमारे भाव निर्मल बनाने के लिए है। भगवान तो राग-द्वेष से परे, अरुपी है लेकिन वे उसमें रुपादित है। प्रभु की प्रतिमा सकारात्मक औरा है। भगवान का ध्यान कर उनका आलंबन हमारे अंदर लेकर आते हैं। भगवान की आंखें करुणामयी है। हमारी परिकल्पना को वहां पहुंचाकर भाव लाने का साधन है।

उन्होंने दूसरे कर्तव्य 'गुरु सेवा' की विवेचना करते हुए कहा कि गुरु की सेवा सम्मान भाव से करनी चाहिए। गुरु के समीप आकर स्वयं गुरु बनने का सामर्थ्य प्राप्त करे, वही सर्वश्रेष्ठ गुरु सेवा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि वंदन के तीन प्रकार बताए गए हैं, फेटा वंदन, थोप वंदन और द्वादसावृत वंदन।

नंदीसेन की गुरु सेवा और अनुपमा देवी के जीवन के उदाहरण देते हुए आचार्यश्री ने कहा कि गुरु सेवा में दुर्भाव नहीं, पूर्ण समर्पण चाहिए।

दुख का मूल कर्म है और कर्म का मूल कषाय है : आचार्य कुलबोधिसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। पर्युषण पर्व के तीसरे दिन यहां आराधना भवन में विराजित आचार्य कुलबोधि सूरीजी ने प्रवचन में फ़रमाया की सृष्टि के समस्त जीवों को सुख पाने की इच्छा होती हे किसी भी जीव को दुख बिल्कुल भी पसंद नहीं हैं। पर हर दुख का मूल कारण कर्म हैं। अगर अतित भवों में ग़लत कर्म को बंद कर दिया और वर्तमान में वे कर्म उदय में आ गए तो दुख को भुगतना ही पड़ता है। प्रभु महावीर कहते ही व्यक्ति ग़लत नहीं है ग़लत उसके कर्म कराते है। कर्म के कारण ही उसको सुख दुख भोगना पड़ता है। पर्युषण के पाँच कर्तव्यों की महता समझाते हुए आचार्यश्री ने कहा कि ये पर्युषण पर्व परिवर्तन का पर्व है। पर्युषण पर्व को परिवर्तन पर्व बनाने के लिए तीन परिवर्तन करना जरूरी है। पहला भूमि परिवर्तन, दूसरा भाषा परिवर्तन और तीसरा भाव परिवर्तन। पर्युषण पर्व के इन आठ दिनों में हमें हर तरह से धर्म आराधना, दान पुण्य, तप जप में जुड़कर अपनी आत्मा का कल्याण करना है। पर्युषण में हमें संसार के कार्य को छोड़कर मंत्र जाप कर धर्ममय बन जाना है। आचार्य कुलबोधिसूरीजी की निश्रा में 13 नवंबर से शुरू होने वाले उपधान तप में युवाओं को इसमें जुड़ने का आह्वान किया गया। 47 दिनों का यह उपधान तप श्री आदिनाथ जैन श्वेताम्बर मंदिर न्यास केसरवाड़ी और श्री चंद्रप्रभु जैन नया मंदिर ट्रस्ट मिंट स्ट्रीट के संयुक्त तत्वावधान में केसरवाड़ी तीर्थ पर होगा। यह जानकारी ट्रस्ट के सह सचिव विमल एल शाह ने दी।

क्षमा की साधना है पर्युषण पर्व : साध्वी कंचनकंवर

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के जयनगर संघ में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वी कंचनकंवरजी ने पर्युषण पर्व के तीसरे दिन साध्वीश्री अणिमाश्री ने प्रवचन में कहा कि पर्युषण पर्व साधना क्षमा की साधना है। भीतरी कषाय को नष्ट करना है। इस जीवन में माता-पिता के ऋण से मुक्त होना मुश्किल है।

चरम तीर्थंकर श्रमण भगवान महावीर स्वामी ने भी माता त्रिशला की खूब सेवा की। मां के समान इस दुनिया में ममतामयी कोई भी नहीं है। दो बातें प्रसिद्ध है मां की ममता और साधु की समता। साध्वी कंचनकंवरजी ने कहा कि इस दुनिया की सृजन शक्ति होती है मां। माता-पिता जो आशीर्वाद देते हैं, उसे भगवान टाल नहीं सकते। मां भगवान का मंदिर है। माता-पिता के चरणों में जन्नत है। प्रचार प्रसार मंत्री सागर बाफना ने बताया कि शुक्रवार को 31 उपवास के प्रत्याख्यान लेने वाली आरती रांका का संघ की ओर से सम्मान किया गया। अध्यक्ष दीपचंद भंसाली ने स्वागत किया, मंत्री पदमचंद बोहरा ने संचालन किया।

अभिनव सामायिक का आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तेरापंथ विद्यालय में पर्युषण महापर्व का तीसरा दिवस केंद्र निर्दिष्ट सामायिक दिवस के रूप में मनाया गया। शहर के सभी क्षेत्रों से बडी संख्या में श्रावक-श्राविकाओं ने सामूहिक रूप से अभिनव सामायिक का सुंदर प्रयोग किया। साध्वी उदितयशाजी ने श्रावकों को जागरूक व असली श्रावक बनने तथा समता की साधना के लिए शुद्ध सामायिक करने की प्रेरणा दी।

साध्वीश्री ने भगवान महावीर की भव यात्रा के अंतर्गत मरीची के भव का रोचक एवं हृदयस्पर्शी वर्णन भी किया।

गुणों को देखना शुरू करें : पंन्यास निर्मोहसुन्दर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां के श्री संकल्प जैन संघ, केएलपी में विराजित पंन्यासश्री निर्मोह सुंदर विजयजी ने अपने प्रवचन में बताया कि गुलाब के पौधे पर गुलाब ज़्यादा होते है या काँटे? गुलाब हमेशा कम होते है, कांटे ही ज़्यादा होते है। फिर भी हम उस पौधे को कांटे का पौधा नहीं कहते है ,गुलाब का पौधा ही कहते है। ठीक उसी प्रकार आम के पेड़ पर आम से भी ज्यादा पत्ते होते हैं, पत्तों से भी ज्यादा कीड़े होते हैं, कचरा होता है, मिट्टी और धूल होती है फिर भी उस पेड़ को आम का पेड़ ही कहा जाता है। हम आम के पेड़ पर मीठे आमों और उपयोगी फलों को देखते हैं, उसी प्रकार हमें भी व्यक्ति के दोष छोड़कर गुणों को देखना चाहिए। ठीक उसी दृष्टिकोण को अपने जीवन में धर्म या मन में क्यों नहीं लाते है? जब किसी भी व्यक्ति की हम बात करते हैं, तो वह व्यक्ति यदि अनुपस्थित हो तो उसके दुर्गुण क्यों गाते हैं? क्या उसने एक भी दुगुण कभी नहीं होते है? क्या निंदा सिर्फ इसलिए करते हैं? जैन संघ में सेवा दे रहे हर एक व्यक्ति के परमात्मा स्वरूप आत्मा के अंदर कोई न कोई गुण अवश्य है। लेकिन हम ताजमहल जैसे गुणों को दरकिनार कर छोटे-मोटे दुर्गुणों को ही देखकर दूसरे लोगो को बताते रहते है व उनकी निंदा करते रहते हैं। इस अवसर पर संघ के द्वारा भगवान के पालनाजी घर ले जाने का आदेश दिया यह लाभ कंचन बाई चुन्नीलाल दानी परिवार चेन्नई मरुधर में धानसा निवासी ने लिया।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.